मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 282
सोमवार, 05 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आतंकवाद मानवता के सामने संकट बना हुआ हैः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 04 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आतंकवाद मानवता के सामने एक संकट बना हुआ है और उसके सभी रूपों की स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। मुर्मू ने यह बात अंगोला के अपने समकक्ष जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लॉरिन्को के सम्मान में आयोजित भोज के दौरान कही, जो भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति ने अफ्रीका में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में अंगोला द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा

कि आतंकवाद मानवता के सामने एक संकट बना हुआ है और इसके सभी रूपों की स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर राष्ट्रपति लॉरिंको की सहानुभूति और समर्थन की मजबूत अभिव्यक्ति की भी सराहना की। इससे पहले दिन में, मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में लॉरिंको का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता संभालने के लिए लॉरिंको को बधाई भी दी।

मुर्मू ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को इस समूह के पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि इस महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंच पर अब अफ्रीकी आवाज भी सुनी जा रही है।

पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, 04 मई। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच यह मुलाकात हुई। बता दें, इस हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी।पहलगाम में हुए हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई का जायजा लेने के लिए पीएम मोदी तीनों सेनाओं के प्रमुखों से मिल रहे हैं। 30 अप्रैल को आर्मी चीफ जनरल द्विवेदी ने पीएम मोदी से उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए डोभाल भी शामिल हुए थे।3 मई को शाम 6 बजे नेवी चीफ एडमिरल दिनेश

त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात एक घंटे तक चली। 3 मई को दोपहर 12 बजे वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी प्रधानमंत्री से करीब 40 मिनट तक मुलाकात की। बता दें, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के बाद 26 अप्रैल को पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और अन्य सशस्त्र बलों के प्रमुखों के साथ अहम बैठक की थी। डेढ़ घंटे की इस बैठक में पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों को पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट दी थी।

भारत वैश्विक मानक स्थापित कर रहा, पाकिस्तान संकट में घिरा: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, 04 मई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विभिन्न आर्थिक मापदंडों पर भारत-पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि भारत वैश्विक मानक स्थापित करके आगे बढ़ रहा है, लेकिन पाकिस्तान लगातार संकटों से जूझ रहा है। शर्मा ने शनिवार रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे गतिशील और दूरदर्शी देशों में से एक है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान बार-बार संकटों से जूझ रहा है और उसका प्रभाव भी दुनिया में खत्म होता रहा है जबकि भारत विकास, प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता में वैश्विक मानक स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। शर्मा ने कहा कि

भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्तमान में 4.19 हजार अरब अमेरिकी डॉलर है जिससे भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है जबकि पाकिस्तान की जीडीपी केवल 357 अरब अमेरिकी डॉलर है जो महाराष्ट्र जैसे एक राज्य के योगदान से भी कम है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'रेलवे से लेकर रॉकेट प्रक्षेपण तक भारत भविष्य के लिए निर्माण कर रहा है। रिकॉर्ड 688.13 अरब अमेरिकी डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार के साथ, भारत सबसे मजबूत वित्तीय स्थिति में है।' उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान की बात करें तो विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 15.66 अरब अमेरिकी डॉलर है।

जमशेदपुर में अस्पताल की बालकनी का एक हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में शनिवार को एक सरकारी अस्पताल की बालकनी का एक हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के मलबे में दबे होने की आशंका है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि साकची इलाके में एमजीएम अस्पताल के मेडिसिन विभाग की दूसरी मंजिल पर शाम करीब चार बजे यह घटना हुई और कुल 15 लोग मलबे में फंस गए।

पूर्वी सिंहभूम की उपायुक्त अनन्या मित्तल ने बताया कि देर शाम मलबे से दो शव बरामद किए गए और एक अन्य व्यक्ति के अभी भी दबे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है।

700 फुट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, 3 जवानों की मौत

कश्मीर, 04 मई। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सुबह करीब साढ़े 11 बजे सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर 700 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सेना के तीन जवानों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुई इस घटना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले में शामिल सेना का ट्रक नियंत्रण खो बैठा और खाई में गिर गया।

मृतकों की पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। उनके शव खाई से निकाले जा रहे हैं। सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्च में इसी तरह की एक घटना में, ताजी सब्जियां ले जा रहा एक लोड कैरियर सड़क से फिसलकर रामबन जिले में गहरी खाई में गिर गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जैसा कि पीटीआई ने बताया, एक पुलिस अधिकारी ने बताया। पीड़ित, चालक अर्शीद अहमद और उनके सहायक सेवा सिंह - दोनों की उम्र 30 के आसपास थी - अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान लौट रहे थे, जब जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास दुर्घटना हुई। मार्च में एक अन्य घटना में, अधिकारियों ने कहा कि रियासी जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना गंगोडे इलाके में हुई जब चालक ने कथित तौर पर टेम्पो ट्रैवलर पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वह खाई में गिर गया।

बैंक के एटीएम कार्ड पर मिलता है लाखों का बीमा

- अगर एटीएम कार्ड धारक किसी हादसे का शिकार में एक हाथ या एक पैर खो देते है, या दिव्यांग हो जाते तो उसे मिलता है बीमा का लाभ
- दुर्घटना के 60 दिनों के अंदर देना होगा दावा दस्तावेज

सुरेश गांधी

वाराणसी। आज एटीएम कार्ड हर व्यक्ति की जरूरत बन गई है. शॉपिंग से लेकर बैंक ट्रांजेक्शन तक के लिए इसका उपयोग होता है. या यूं कहे आज हर किसी के पास एक न एक एटीएम या डेबिट कार्ड जरूर होता है, जिसका इस्तेमाल वो पैसों की निकासी या ऑनलाइन भुगतान के लिए करते हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका ये कार्ड केवल लेन-देन का जरिया ही नहीं बल्कि एक मुफ्त बीमा सुरक्षा कवच भी देता है। अधिकांश बैंक अपने एटीएम कार्डधारकों को 1 लाख से लेकर 20 लाख तक का एक्सीडेंटल बीमा प्रदान करते हैं, वो भी बिना किसी अतिरिक्त प्रीमियम के। यह सुविधा कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है, इसका अंदाजा तब होता है जब कोई अप्रिय दुर्घटना हो जाए और परिवार को उसकी भरपाई के लिए साधन की जरूरत हो।

जी हां, जिसके पास एटीएम होता है, उसे बीमा भी मिलती है. दरअसल, बैंक ग्राहकों को जब डेबिट, एटीएम कार्ड इश्यू करता है, तो उस पर दुर्घटना बीमा या असमय मौत पर फ्री इंश्योरेंस भी दिया जाता है. ऐसे में अगर सड़क दुर्घटना में किसी की मृत्यु हो गयी हो और उनका एटीएम कार्ड है, तो संबंधित मृतक के परिजन दुर्घटना बीमा क्लेम कर लाभ उठा सकते हैं. हालांकि बीमा राशि एटीएम कार्ड की कैटेगरी के अनुसार मिलती हैं. खास यह है कि बेहद ही कम लोगों को इस बात की जानकारी होती है. बैंक भी ग्राहकों को ऐसा जानकारी देने में कतराते हैं. बैंक से जुड़े सूत्रों की मानें तो संबंधित मृतक के आश्रितों या पीड़ित के परिजन एटीएम कार्ड होने पर दुर्घटना के दौरान बीमा क्लेम कर सकते हैं। लेकिन दुर्घटना के 60 दिनों के अंदर दावे से संबंधित सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा. पूर्ण दस्तावेजों की प्राप्ति के बाद तथा पात्रता का मूल्यांकन होने बाद दि न्यू इंडिया इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा 10 दिनों में दावा राशि का भुगतान करेगी।प्रावधान के तहत अगर किसी व्यक्ति को सरकारी या गैर-सरकारी बैंक का एटीएम का उपयोग करते 45 दिन हो गए हैं, तो वो कार्ड के साथ मिलने वाली इश्योरेंस सेवाओं का हकदार हो जाते हैं. हालांकि, अलग-अलग बैंकों ने इसके लिए अलग अविधि तय कर रखी है. बता दें, बैंक ग्राहकों को कई तरह के डेबिट कार्ड जारी करते हैं. एटीएम कार्ड की कैटेगरी के अनुसार बीमा की राशि तय होती है. एटीएम कार्ड की कैटेगरी के अनुसार एक से 10 लाख रुपये तक बीमा की राशि मिलने का प्रावधान है. क्लासिक कार्ड पर एक लाख, प्लेटिनम कार्ड पर दो लाख, सामान्य मास्टर कार्ड पर 50 हजार, प्लेटिनम मास्टर कार्ड पर 5 लाख. वहीं वीजा कार्ड पर डेढ़ से दो लाख तक का फ्री इंश्योरेंस कवरेज मिलता है. अगर बात करें रुपे कार्ड की तो इस पर भी डेढ़ से दो लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा मिलता है.डेबिट कार्ड रखने वाले किसी की दुर्घटना में मौत हो जाती है, तो नॉमिनी संबंधित बैंक में जाकर इंश्योरेंस को क्लेम कर सकते हैं. इसके लिए बैंक में आवेदन करना होगा. नॉमिनी को इसके लिए मृत्यु प्रमाण पत्र देना होगा. साथ ही एफआइआर की कॉपी के साथ आश्रित का प्रमाण पत्र, मृतक के प्रमाण पत्र की मूल कॉपी भी देनी होगी.

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
Medi Assist STAR
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

ममता का मुर्शिदाबाद दौरा पर्यटन यात्रा के समान : अधीर रंजन चौधरी

कोलकता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले का दौरा करने में विफल रहने के लिए आलोचना की और कहा कि उन्होंने हिंसा भड़कने के लगभग 20 दिन बाद वहां की यात्रा निर्धारित की। अधीर ने ममता पर जिले में दंगा पर्यटन पर रवाना होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उस समय व्यस्त थीं, जब असामाजिक तत्वों द्वारा दोनों समुदायों के आम लोगों के घरों और संपत्तियों पर हमला किया जा रहा था।

ओडिशा के कटक में पुल निर्माण स्थल पर हादसे में तीन की मौत, दो घायल

कटक, 04 मई। ओडिशा के कटक जिले में शनिवार को काठजोड़ी नदी पर एक पुल के निर्माण कार्य के दौरान कंक्रीट का स्लैब गिर जाने से एक अभियंता और दो मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका यहां एससीबी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में इलाज चल रहा है। कटक के पुलिस उपायुक्त खिलारी ऋषिकेश ध्यानदेव ने बताया कि स्थानीय लोग और पुलिसकर्मी दुर्घटनास्थल पर

पहुंचे और उन्होंने श्रमिकों को बचाया। उन्होंने बताया, बड़े कंक्रीट स्लैब को उठाते समय क्रेन में खराबी आ गई थी, जिससे यह मजदूरों और अभियंता पर गिर गई। डीसीपी ने बताया कि इस दुर्घटना के वास्तविक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन को घायलों से मिलने का निर्देश दिया है। माझी ने इस घटना में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए मुफ्त इलाज भी घोषणा की है ।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

-ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदेशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धमार्चार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा ह्यमाँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।ह्न इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है। आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य ह्यअहं ब्रह्मस्मिह्न है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य ह्यअयमात्मा ब्रह्मह्न है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य ह्यतत्वमसिह्न है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य ह्यप्रज्ञान ब्रह्मह्न है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया। आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

जिस युग में आदि शंकराचार्य ने जन्म लिया उस समय देशी-विदेशी प्रभावों के दबाव में भारतीय संस्कृति संक्रमण के दौर से गुजर रही थी और उसका पतन आरंभ हो गया था। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यआदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रमह्न में प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां संत-दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा हमारी संस्कृति की रक्षा में दिए योगदान की ऋणी रहेंगी। उन्होंने भारत के हर कोने में वेद-वेदांत का प्रसार कर सनातन परंपरा को सशक्त एवं सुदृढ़ किया। दिव्य ज्ञान से आलोकित उनका संदेश देशवासियों के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति एवं दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने उन्हें प्राचीन परंपरा का भाष्यकार आचार्य बताते हुए लिखा है कि देश के अन्य भाष्यकारों की तरह अपने अध्ययन में उन्होंने कभी भी किसी प्रकार की मौलिकता का दावा नहीं किया। भारत में आदि शंकराचार्य के प्रयास से एक ऐसे आंदोलन का आविर्भाव हुआ जो सनातन वैदिक धर्म को उसकी अस्पष्टताओं और असंगतियों से निकालकर स्पष्ट तथा सर्वसाधारण के लिए स्वीकार्य बनाना चाहता था। उनकी शिक्षा का आधार उपनिषद थे। उनके द्वारा स्थापित मठों की उपासना पद्धतियां सरल है। वेदांत के विरोधियों से शास्त्रार्थ करने के उनके उत्साह के कारण देश के विभिन्न दार्शनिक केंद्रों में जो जड़ता आई थी उनमें एक नए विचार-विमर्श की प्रेरणा आरंभ हुई। शंकर द्वारा स्वीकृत दर्शन तथा संगठन बौद्धों के दर्शन और संगठन से मिलते-जुलते थे। आदि शंकराचार्य ने भारत में बढ़ते विभिन्न मतों पर उन्हीं की पद्धति से अपनी वैचारिक श्रेष्ठता सिद्ध की और सनातन वैदिक धर्म की पुनरुत्थान किया।

कौन है ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री अल्बनीज, जीत के लिए थाम लिया भगवा

अशोक भाटिया

ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर एंथनी अल्बनीज का जादू चला है। उनकी लेबर पार्टी ने संघीय चुनाव जीत लिया है। इसके साथ ही अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। कुछ समय पहले अल्बनीज ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ह्यदुनिया का बॉसह्न बताया था। अब ऑस्ट्रेलिया की जनता ने उन्हें फिर से बॉस चुन लिया है। इसके साथ ही अल्बनीज 21 सालों में दोबारा चुनाव जीतने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को आम चुनाव में महंगाई और आवास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ। इससे पहले डाक मतदान 22 अप्रैल को ही शुरू हो गया था। ऑस्ट्रेलिया उन गिने चुने देशों में शामिल है, जहां मतदान करना अनिवार्य है। साल 2022 में हुए पिछले आम चुनाव में 90 फीसदी मतदान हुआ था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज दूसरा कार्यकाल पाने की कोशिशों में जुटे थे। उनका मुकाबला कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पीटर डटन से था।

ऑस्ट्रेलिया संसद में दो सदन हैं। ऊपरी सदन को सीनेट और निचले सदन को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) कहा जाता है। भारत की तरह ही निचले सदन में बहुमत पाने वाली पार्टी या गठबंधन का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है। इसकी 150 सीटों के लिए अभी वोटिंग हुई थी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की अच्छी-खासी आबादी है। इस बार चुनाव में भारतीय मूल के 8 लाख मतदाता अपने वोट का इस्तेमाल कर रहे है । भारतीय मूल के वोटर्स को लुभाने के लिए सियासी दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनाई थी । प्रधानमंत्री की पार्टी ने भारतीय छात्रों के लिए वीजा की संख्या बढ़ाने का वादा किया है। इतना ही नहीं, वर्क वीजा बढ़ाने का भी मुद्दा चुनाव में छाया हुआ है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अल्बनीज भारत के साथ संबंधों को और भी बेहतर बनाना चाहते हैं का वायदा किया था। विपक्ष के नेता पीटर डटन अपनी सीट भी नहीं बचा पाए। उन्हें लेबर पार्टी की उम्मीदवार अली फ्रांस ने हरा दिया। चुनाव के नतीजे आने के बाद डटन ने अपनी हार मान ली और अल्बनीज को फोन करके बधाई दी। अगर लेबर पार्टी को बहुमत मिलता है, तो अल्बनीज ही प्रधानमंत्री रहेंगे। वे अपनी पार्टी के नए सदस्यों में से मंत्रियों को चुनेंगे।

अब बात करते हैं एंथनी अल्बनीज की। उन्हें लोग प्यार से ह्यअल्बोह्न भी कहते हैं। वे 2004 के बाद पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार दो चुनाव जीते हैं। 61 साल के अल्बनीज को कुत्तों से बहुत प्यार है। वे साधारण परिवार से आते हैं और उनका अंदाज काफी सहज रहता है। स्थानीय मीडिया ने भी मान लिया है कि अल्बनीज और उनकी लेबर पार्टी चुनाव जीत गई है। शुरूआती नतीजों से पता चलता है कि लोगों ने लेबर पार्टी को खूब वोट दिया है। अल्बनीज का बचपन मुश्किलों भरा रहा। उनका जन्म मार्च 1963 में हुआ था। उनकी मां अकेली थीं और उन्हें पेंशन पर गुजारा करना पड़ता था। वे सिडनी में सरकारी घर में रहते थे। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें बचपन में बताया गया था कि उनके पिता मर चुके हैं। लेकिन किशोरावस्था में उन्हें पता चला कि उनकी मां शादीशुदा आदमी से गर्भवती हुई थीं जो शायद अभी भी जिंदा थे। तीस साल बाद उन्होंने अपने पिता कार्लो अल्बनीज को ढूंढा और उनसे मिलने इटली गए।

लेकिन अल्बनीज मानते हैं कि उनकी मां के साथ बिताए शुरूआती सालों ने उन्हें वह इंसान बनाया जो वे आज हैं। वे अपने परिवार में हाई स्कूल पास करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने सिडनी यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में डिग्री हासिल की। उनका राजनीति से पहला नाता यूनिवर्सिटी में जुड़ा जहां वे छात्र परिषद में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने लेबर पार्टी के मंत्री टॉम उरेन के साथ काम किया और फिर एनएसडब्ल्यू लेबर के सहायक महासचिव बने।

अल्बो को लोग ह्यछोटी-छोटी बातों पर ज्यादा ध्यान न देने वालाह्न मानते हैं, जो एक नेता के लिए अच्छी बात है। वे पार्टियों और चुनावी कार्यक्रमों में ह्यडीजे अल्बोह्न के नाम से गाने भी बजाते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीवी पर भी वे अक्सर अपने प्यारे कुत्ते ह्यटोतोह्न के साथ दिखाई दिए थे । 1996 में अपने 33वें जन्मदिन पर अल्बनीज पहली बार संसद के लिए चुने गए। तब से वे लगातार सांसद हैं और ऑस्ट्रेलिया के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सांसदों में से एक हैं। उन्होंने लगभग 30 साल तक सिडनी की सीट का प्रतिनिधित्व किया है।

2007 में जब लेबर पार्टी सत्ता में आई तो अल्बनीज बड़े मंत्री बने और पार्टी के नेताओं को बदलने में उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने केविन रड को हटाकर जूलिया गिलार्ड को प्रधानमंत्री बनवाया और फिर वापस केविन रड को लाए। केविन रड के दूसरे छोटे कार्यकाल में वे उप-प्रधानमंत्री भी रहे। 2013 में उन्होंने विपक्ष के नेता के लिए चुनाव लड़ा। 2019 में जब लेबर पार्टी अप्रत्याशित रूप से चुनाव हार गई तो उन्होंने निराश पार्टी का नेतृत्व किया। लेकिन अल्बनीज ने हार नहीं मानी और अपना काम जारी रखा। आखिरकार 2022 में उन्होंने देश का सबसे बड़ा पद जीत लिया और लिबरल-नेशनल गठबंधन के दस साल के शासन को खत्म कर दिया।

अल्बनीज जल्दी ही शादी भी करने जा रहे हैं। उनकी मंगेतर का नाम जोडी हेडन है। वह प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए शादी करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री होंगे। उन्होंने पिछले साल ही शादी करने का इरादा जाहिर किया था। बाद में उन्होंने शादी को टालने का ऐलान कर दिया। अल्बनीज ने कुछ समय पहले कहा था कि वे चुनाव के बाद और साल खत्म होने से पहले (2025 में ही) शादी करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका फिर से चुना जाना ऑस्ट्रेलियाई जनता का उनके नेतृत्व पर ₹स्थायी विश्वास₹ को दर्शाता है। अल्बनीज ने उच्च-स्तरीय राष्ट्रीय चुनाव के बाद अपनी जीत का ऐलान किया है, जिसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अल्बानीज को टैग करते हुए अपने एक्स पोस्ट में कहा, ₹आपकी शानदार जीत और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के रूप में पुनर्निर्वाचन के लिए बधाई एंथनी अल्बानीज यह जीत आपके नेतृत्व पर ऑस्ट्रेलियाई जनता के स्थायी विश्वास को दर्शाती है।₹ प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों इंडो-पैसिफिक लोकतंत्रों के बीच बढ़ती साझेदारी पर भी जोर दिया और अल्बनीज सरकार के साथ क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने कहा, ₹मैं भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने और इंडो-पैसिफिक में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए साझा रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं। मार्च 2023 में अल्बनीज ने भारत का दौरा किया था, जहां उन्होंने और प्रधानमंत्री मोदी ने रणनीतिक साझेदारी के तहत सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। ऑस्ट्रेलिया में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, और दोनों नेताओं ने नियमित रूप से लोगों के बीच संबंधों को द्विपक्षीय संबंधों की प्रमुख धुरी के रूप में उजागर किया है। ऑस्ट्रेलिया की राजनीति में 21 सालों में पहली बार है जब सिटिंग प्रधानमंत्री को लगातार दोबारा में सत्ता में आने का मौका मिला है। ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति में निरंतरता के लिए एक जनादेश के रूप में देखा जा रहा है, खासकर इंडो-पैसिफिक के लिए इस जीत को भारत बेहतर मान रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी व ऑस्ट्रेलिया की नजदीकी के कारण ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों का सबसे पसंदीदा स्टडी डेस्टिनेशन बन गया है । एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया अब भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय स्टडी डेस्टिनेशन बन गया है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रदाता द्वारा मार्च 2025 में कराए गए Emerging Futures Seven – Voice of the International Student सर्वे के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की इस बढ़त का श्रेय उसकी मजबूत वैश्विक रैंकिंग और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते को दिया गया है, जिसने पोस्ट-स्टडी वर्क राइट्स को और आकर्षक बना दिया है। QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2025 में ऑस्ट्रेलिया की 15 यूनिवर्सिटीज टॉप 200 में शामिल हैं।

सर्वे में शामिल लगभग 6,000 वैश्विक छात्रों में से 1,400 भारतीय छात्र थे। इनमें से 28% भारतीय छात्रों ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी पहली पसंद बताया, जबकि अमेरिका 22% के साथ दूसरे और यूके 21% के साथ तीसरे स्थान पर रहा। कनाडा की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है, जो पिछले वर्ष के 19% से घटकर अब मात्र 13% रह गई है। हालांकि अमेरिका अभी भी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, करियर अवसरों और वीजा नीतियों के चलते मजबूत विकल्प बना हुआ है, लेकिन भारतीय छात्र अब पढाई के खर्च और वित्तीय मदद जैसे कारकों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सर्वे में 66% छात्रों ने खर्च को सबसे बड़ी चिंता बताया, जबकि 47% ने वीजा चुनौतियों, 43% ने हाउसिंग खर्च और 39% ने पार्ट-टाइम नौकरी के साथ पढ़ाई को चुनौतीपूर्ण माना। इसके अलावा, 55% छात्रों ने कहा कि स्कॉलरशिप उपलब्धता से वे अपना डेस्टिनेशन बदल सकते हैं, जबकि 54% ने पार्ट-टाइम वर्क के विकल्प को अहम माना।रिपोर्ट के अनुसार, 77% भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई का मुख्य उद्देश्य बेहतर करियर और आय की संभावनाएं मानते हैं।इन रुझानों के बीच, ऑस्ट्रेलिया की स्टूडेंट-फ्रेंडली नीतियां और शैक्षणिक प्रतिष्ठा उसे भारतीय छात्रों के लिए नई पसंदीदा मंज़िल बना रही हैं। अब यदि प्रधानमंत्री अल्बनीज , जीत के लिए भगवा थाम लिया था तो उन्हें भारतीय वोटरों का महत्त्व भी समझ लिया होगा जो आगे चल कर भारतीय क्षात्रों के लिए लाभ दायी होगा ।

राष्ट्रवाद नहीं, अब जाति की कड़ाही में तलेगी-भुनेगी बीजेपी

-सुरेश गांधी

फिरहाल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशभर में फैले आक्रोश के बीच केंद्र सरकार ने जनगणना में जातियों की गणना कराने का फैसला किया है. निश्चित ही केंद्र सरकार का यह फैसला एक बड़ा राजनीतिक कदम है. सरकार ने यह फैसला बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लिया है. बिहार की राजनीति में जाति एक बड़ा मुद्दा है. वैसे भी जाति भारतीय राजनीति की सच्चाई है और जातीय जनगणना इसकी धुरी. लोकतंत्र इससे मजबूत होगा. जहां तक इसके सियासी नफा नुकसान का सवाल है तो पहलगाम के बाद देशभक्ति का जो माहौल है और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर लोग एकजुट हैं. ऐसे में जातिगत गणना की बात कर, भाजपा ने कुछ ही महीने बाद बिहार व 2027 के यूपी चुनाव में न सिर्फ भुनाएगी, बल्कि विपक्ष के सारे समीकरण की हवा निकाल देगी. भाजपा ने एक ऐसा आसान रास्ता अपनाया है, जिसने विपक्ष से यह मुद्दा छीनकर उसकी धार काटने की कोशिश की है. या यूं कहे भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने देश में जाति जनगणना का ऐलान कर विरोधी दलों के पैरों तले से जमीन खिसका दी है. जिस मुद्दे के दम पर सपा यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव में फतह हासिल करने का सपना देख रही थी, बीजेपी ने उसकी हवा FYPX तोड़ दी है. बीजेपी के इस फैसले के पीछे वो पिछड़ा वर्ग अहम माना जा रहा है जिसके दम पर भाजपा ने यूपी में लगातार दो बार सरकार बनाने में सफलता हासिल की. भाजपा नही चाहती कि इस वर्ग में ऐसा संदेश जाए कि वो आरक्षण या पिछड़ों के हितों के खिलाफ है.

हालांकि बीजेपी के लिए यह एक दोहरे जोखिम का मामला है। एक ओर वह अपनी पुरानी पहचान राष्ट्रवादी पार्टी से अलग हो रही है, और दूसरी ओर वह उसी राजनीति में कदम रख रही है जिसका विरोध वह वर्षों से करती आई है। यह परिवर्तन सिर्फ रणनीति नहीं, विचारधारा की उलझन को भी दर्शाता है। विपक्षी दलों ने इस स्थिति को भांप लिया है और अब बीजेपी को उसी भाषा में घेर रहे हैं जाति की। सवाल अब राष्ट्र की सुरक्षा या सांस्कृतिक अस्मिता का नहीं, बल्कि ह्यहमारी जाति को क्या मिला? का बनता जा रहा है। और यही वह कड़ाही है जिसमें अब बीजेपी खुद को तला और भूना पाएगी। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या यह बदलाव बीजेपी को लाभ पहुंचाएगा या उसके पुराने समर्थकों को भ्रमित करेगा? यह तो चुनाव परिणाम ही तय करेंगे। पर इतना तय है कि राष्ट्रवाद का नारा अब पीछे छूटता दिख रहा है, और जाति की राजनीति की तपती कड़ाही में बीजेपी खुद को एक बार फिर से पकते हुए देख रही है। देखा जाएं तो देश में इससे पहले जातीय जनगणना 1931 में उस समय कराई गई थी, जब देश में अंग्रेजी सरकार थी. लोकसभा चुनाव 2024 में जिस तरह पिछड़े और दलित वर्ग के लोगों ने सपा और कांग्रेस के समर्थन में वोट किया उससे उत्तर प्रदेश में भाजपा का झटका लगा था. इन नतीजों के बाद से ही बीजेपी के अंदर से कई नेताओं द्वारा जातीय जनगणना का समर्थन में आवाजें उठ रहीं थी. इस ऐलान के बाद बीजेपी मिशन 2027 में एक बार फिर से पिछड़ों और दलितों को अपने साथ लाने की कोशिश में हैं. माना जा रहा है इसका असर पार्टी के संगठन में भी दिख सकता है.

वैसे भी बीजेपी को 2027 के चुनाव को लेकर चिंता सताने लगी थी कि कहीं 2024 की तरह पार्टी को संघर्ष न करना पड़े. इस चुनाव में सपा ने पीडीए और संविधान का नारा दिया था, जिसके बाद बड़ी संख्या में ओबीसी और दलित वोट बीजेपी से छिटक गया था. आरएसएस की चिंतन बैठक में भी ये मुद्दा उठा था. जिसके बाद केंद्रीय नेतृत्व नहीं चाहता था कि दोबारा ऐसे हालात बने. बीजेपी के कई पिछड़े नेताओं के साथ उसके सहयोगी दल भी जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे. इनमें अनुप्रिया पटेल की अपना दल सोनेलाल, ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद जैसे नेता भी शामिल हैं. बीजेपी नहीं चाहती है कि आने वाले चुनाव में उसे अपने सहयोगियों का विरोध भी झेलना पड़े. बीजेपी दोनों वर्गों के वोटरों को अपने साथ जोड़कर रखना चाहती है. बसपा के कमजोर होने के बाद बीजेपी की नजर दलितों के वोट बैंक पर है. बसपा भी लगातार जातीय जनगणना के मुद्दे को उठा रही थी. वहीं सपा और कांग्रेस भी इन वर्गों को लुभाने की कोशिश में जुटे हुए हैं. दोनों पार्टियां रणनीति बनाकर इन वर्गों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दे रही हैं ताकि दलितों को अपने पाले में लाया जा सके. ऐसे में बीजेपी के इस ऐलान से विरोधियों की इस कवायद को झटका लगा है. बीजेपी भी अपने दलित नेताओं के जरिए सपा-कांग्रेस जैसे दलों को जवाब देने के लिए आगे कर रही है. बीजेपी को पता है कि वो अगड़ी जातियों और कुछ अन्य पिछड़े और दलित वोटों के भरोसे चुनाव नहीं जीत सकती है. उसे पिछड़े-दलितों के वोट पाने के लिए दूसरे सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ता है. इसी वोट के लिए उसे पिछड़ी जातियों को साधने की जरूरत है. बीजेपी को यह भी पता है जिस तरह से पिछड़े और दलितों की आवाज मुखर हुई है, उसे बहुत दिनों तक दबाया नहीं जा सकता. लेकिन केवल गणना कराने से क्या हासिल होगा और इससे मिले आंकड़ों का क्या किया जाएगा यह भविष्य में पता चलेगा.

बता दें, भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान जनगणना कराने की शुरूआत साल 1872 में की गई थी. अंग्रेजों ने साल 1931 तक जितनी बार भी भारत की जनगणना कराई, उसमें जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया. आजादी हासिल करने के बाद भारत ने जब साल 1951 में पहली बार जनगणना की, तो केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े लोगों को जाति के नाम पर वर्गीकृत किया गया. तब से लेकर भारत सरकार ने नीतिगत फैसले के तहत जातिगत जनगणना से परहेज किया है. लेकिन 1980 के दशक में कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय हुआ जिनकी राजनीति जाति पर आधारित थी. इन दलों ने तथाकथित ऊंची जातियों के वर्चस्व को चुनौती देने के साथ-साथ तथाकथित निचली जातियों को सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में आरक्षण दिए जाने को लेकर अभियान शुरू किया. साल 1979 में भारत सरकार ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने के मसले पर मंडल कमीशन का गठन किया था. मंडल कमीशन ने ओबीसी श्रेणी के लोगों को आरक्षण देने की सिफारिश की थी. लेकिन इस सिफारिश को साल 1990 में लागू किया जा सका. इसके बाद देशभर में सामान्य श्रेणी के छात्रों ने उग्र विरोध प्रदर्शन किए थे. चूंकि जातिगत जनगणना का मामला आरक्षण से जुड़ चुका था, इसलिए समय-समय पर राजनीतिक दल इसकी मांग उठाने लग गए. आखिरकार साल 2010 में बड़ी संख्या में सांसदों की मांग के बाद सरकार इसके लिए राजी हुई थी.जुलाई 2022 में केंद्र सरकार ने संसद में बताया था कि 2011 में की गई सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना में हासिल किए गए जातिगत आंकड़ों को जारी करने की उसकी कोई योजना नहीं है. इसके कुछ ही महीने पहले साल 2021 में एक अन्य मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में दायर एक शपथ पत्र में केंद्र ने कहा था कि साल 2011 में जो सामाजिक आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई, उसमें कई कमियां थीं. इसमें जो आंकड़े हासिल हुए थे वे गलतियों से भरे और अनुपयोगी थे. केंद्र का कहना था कि जहां भारत में 1931 में हुई पहली जनगणना में देश में कुल जातियों की संख्या 4,147 थी वहीं 2011 में हुई जाति जनगणना के बाद देश में जो कुल जातियों की संख्या निकली वो 46 लाख से भी ज्यादा थी. 2011 में की गई जातिगत जनगणना में मिले आंकड़ों में से महाराष्ट्र की मिसाल देते हुए केंद्र ने कहा कि जहां महाराष्ट्र में आधिकारिक तौर पर अधिसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी में आने वाली जातियों कि संख्या 494 थी, वहीं 2011 में हुई जातिगत जनगणना में इस राज्य में कुल जातियों की संख्या 4,28,677 पाई गई. साथ ही केंद्र सरकार का कहना था कि जातिगत जनगणना करवाना प्रशासनिक रूप से कठिन हैं.

देखा जाय तो जाति जनगणना की मांग का बीजेपी ने कभी-कभी सीधे विरोध नहीं किया था. लेकिन वह कभी खुलकर सामने नहीं आई थी. पिछले साल के शुरू में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि बीजेपी जाति जनगणना की विरोधी नहीं है. इसके बाद सितंबर 2024 में केरल के पलक्कड़ में आयोजित आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने जातीय जनगणना का समर्थन किया था. संघ के मुख्य प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने जातीय जनगणना को राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया था. उन्होंने कहा था, देश और समाज के विकास के लिए सरकार को डेटा की जरूरत पड़ती है. समाज की कुछ जाति के लोगों के प्रति विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है. इन उद्देश्यों के लिए इसे (जाति जनगणना) करवाना चाहिए. इसका इस्तेमाल लोक कल्याण के लिए होना चाहिए. इसे पॉलिटिकल मुद्दा नहीं बनाना चाहिए. नई रणनीति हिंदू वोटों को धार्मिक आधार पर एकजुट करने की बीजेपी की कोशिश को विफल करने वाली है, इससे जाति के आधार पर वोटों का विभाजन हो सकता है, हालांकि, यह नई रणनीति भाजपा के उस लंबे प्रयास को कमजोर करती है, जिसके जरिए वह धार्मिक एकता के नाम पर हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर रही थी। जातिगत जनगणना के बाद यदि वोटर फिर से स्थानीय उम्मीदवार की जाति को ध्यान में रखकर वोट डालते हैं, तो हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की पिच कमजोर हो सकती है. यह स्थिति भाजपा के लिए चिंता का कारण बन सकती है. इसके साथ ही यह फैसला बीजेपी के शहरी और मध्यम वर्गीय वोटरों को भी निराश कर सकता है, जो इसे मंडल युग की राजनीति में वापसी के रूप में देख सकते हैं. आज जब समाज में जातिविहीन व्यवस्था की मांग जोर पकड़ रही है, तब भाजपा का यह कदम उसके ही विकास और समरसता के एजेंडे से एक कदम पीछे हटने जैसा लग सकता है. कई लोग इसे कृषि विधेयकों की तरह भाजपा द्वारा एक कदम पीछे हटने के रूप में देखते हैं. विपक्ष पिछले कुछ समय से भाजपा की पिच पर खेल रहा है. लेकिन जातिगत जनगणना का मुद्दा एक ऐसा मौका है, जो भाजपा को विपक्ष की पिच पर खींच सकता है. अब देखना यह है कि क्या विपक्ष इस मौके का फायदा उठाकर भाजपा को पूरी तरह घेरने में सफल होता है, या नहीं. इसका जवाब समय ही देगा. सूत्रों की मानें तो मुस्लिम समुदाय में भी कई जातियां हैं और इस बार की जनगणना में यह जानकारी भी सामने लाई जाएगी. सूत्रों का यह भी कहना है कि मुस्लिम आरक्षण से जुड़ी कोई भी मांग सरकार स्वीकार नहीं करेगी. इसके पीछे धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं होने की दलील दी जा रही है. गृह मंत्री अमित शाह भी कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है और जब तक बीजेपी का एक भी सांसद संसद में है, हम धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे.

राम मनोहर लोहिया ने आज से 50 साल पहले इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा था कि इस बात को कभी नहीं भूलना चाहिए कि भारत की राजनीति की सच्चाई यहां की जाति है। कई दलों ने इस मुद्दे को उठाया और लगातार मांग करते रहे। बिहार ने तो सबसे आगे बढ़कर अक्टूबर 2023 में जातीय सर्वेक्षण के आंकड़े जारी कर दिए थे। बिहार जाति सर्वेक्षण के अनुसार, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) राज्य की कुल आबादी का 63 प्रतिशत है, जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) सबसे बड़ा हिस्सा है। पिछड़ा वर्ग 27.13 फीसदी है, अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36.01 फीसदी और सामान्य वर्ग 15.52 फीसदी है। भारत में 1931 में जातीय जनगणना हुई थी, उसके बाद देश में होने वाली जनगणनाओं में जातियों की गिनती नहीं की गई। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं, इसकी गिनती नहीं होती है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद अब फिर से जाति जनगणना होगी। वैसे तो आजादी के बाद से ही भारत की राजनीति में जाति का प्रभाव रहा है, लेकिन वीपी सिंह सरकार के समय इसने अपना खास प्रभाव दिखाया। मंडल आयोग की रिपोर्ट के कारण जातीय राजनीति ने नया स्वरूप सामने आया। मंडल आयोग की सिफारिश के आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग को मिला। इसका विरोध भी हुआ, लेकिन आरक्षण का यह प्रावधान बना रहा।

पिछड़े वर्ग को आरक्षण का लाभ देने के लिए भी जातीय आबादी को ही आधार बनाया गया था। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम ने भी जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसकी उतनी भागीदारी सिद्धांत पर जोर दिया था। दुर्भाग्यवश जिन नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया, वे स्वजाति केंद्रित राजनीति तक ही सीमित रहे, जिससे दूसरी जातियों को उनका हक नहीं मिल सका। हालांकि जातीय जनगणना के बाद इसका समाजशास्त्रीय विश्लेषण होना ही चाहिए। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इससे भारत की एकता पर कोई आंच नहीं आए। जातीय आधार पर समाज में विभाजन नहीं बढ?ा चाहिए। तात्कालिक आरक्षण जैसे लाभों के लिए जातिगत जनगणना निश्चित रूप से एक सकारात्मक परिवर्तन लाएगी। भारत के पिछड़े वर्ग, जनजाति और अनुसूचित जाति वर्ग में बहुत सारी ऐसी जातियां हैं जो आज भी अपने ही वर्ग की जातियों से काफी पिछड़ी हैं। उन्हें आरक्षण का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया। इसलिए, जातीय जनगणना को पारदर्शी तरीके से पूरा कर, आरक्षण का किसको कितना लाभ मिला है, इसका भी आकलन किया जाना चाहिए। तभी जाकर इसका मुख्य उद्देश्य पूरा होगा। समाज की जो भी जाति हाशिए पर हो, जब तक उसको आरक्षण का लाभ नहीं मिलता, तब तक इस तरह की कवायद का कोई फायदा नहीं है।

जातीय आधार के साथ आर्थिक आधार पर भी जनगणना अति आवश्यक होगा, क्योंकि मुख्य रूप से प्रति व्यक्ति आय ही सही सच्चाई है पिछड़ेपन की। देश की जनता की सही आर्थिक तस्वीर सामने आए और हम देखें की प्रति व्यक्ति आय की दृष्टि से कौनसा व्यक्ति-समाज कहां है, तब इस गणना का लक्ष्य पूरा होगा, नहीं तो यह जातियों के वर्चस्व की पुनर्स्थापना का माध्यम बन जाएगी। जिस भारत का हम स्वप्न देखना चाहते हैं, वहां जातीय भेद नहीं होना चाहिए। जातीय और धार्मिक भेदभाव से परे उठकर ही कोई देश विकास की गति पर आगे बढ़ सकता है। हर समुदाय का विकास होना चाहिए। भारत मे अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी कुल आबादी का 40-50 फीसदी हिस्सा है, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में एक शक्तिशाली वोट बैंक है. आरएसएस ने पिछले दिनों ये इशारा कर दिया था कि उसे जाति जनगणना से कोई विरोध नहीं है. बशर्ते इस आधार पर राजनीति न हो. हालांकि बीजेपी खुद इस आधार पर राजनीति करेगी. भविष्य में बीजेपी कोई ऐसी तरकीब जरूर निकालेगी जिससे जाति जनगणना को भी कैश कर सके. क्योंकि हिंदू शब्द को पिछल 10 सालों में इतना बड़ा बन चुका है कि पार्टी को कोई चिंता नहीं है. हिंदू धर्म के झंडे के नीचे बहुत सी जातियां और सेक्ट भी अब खुशी खुशी रहने के लिए उत्सुक हैं. पावर बहुत सी समस्याओं का सबसे आसान समाधान होता है. कुछ साल पहले तक जैन धर्म खुद को अल्पसंख्यक घोषित करवाने के लिए संघर्ष कर रहा था पर आज खुद को हिंदू धर्म के एक सेक्ट के तौर पर बताने में फख्र महसूस करता है. यही हाल बौद्ध और अन्य संप्रदायों का है. सिख भी बहुत जल्दी प्राइड के साथ कहेंगे कि हम हिंदू ही हैं. यही हाल जातियो का भी है. हिंदू धर्म इतना बड़ा हो चुका है कि जातियां कुछ दिनों में गौण हो जाएंगी.

पशुपालन विभाग द्वारा जिले में पशुपालकों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, तहसील-वार नोडल अधिकारी नियुक्त

पालघर(उत्तरशक्ति)। पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन, कृषि पूरक व्यवसाय एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पालघर जिले में पशुसंवर्धन विभाग द्वारा राज्य व जिला स्तर की विभिन्न व्यक्तिगत लाभ योजनाएं शुरू की गई हैं। इन योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2 मई 2025 से शुरू हो गई है। इच्छुक लाभार्थी www.mahabms.com पर या प्ले स्टोर पर उपलब्ध 'AH-MAHABMS' मोबाइल ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे और जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने पशुपालकों से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाले लाभ निम्नलिखित हैं। दुग्ध उत्पादक गाय/भैंस समूह का वितरण, बकरी/भेड़ समूह का वितरण, 1000 मांसाहारी कुक्कुट पक्षियों के लिए शेड निर्माण हेतु अनुदान, 100 एक-दिवसीय कुक्कुट पक्षियों का वितरण किया जायेगा। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 5 जून 2025 है। इसके बाद दस्तावेज अपलोड करने की अवधि 8 जून से 15 जून 2025 तक निर्धारित की गई है।तहसील-वार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति इस प्रकार हैः जिला नोडल अधिकारीः डॉ. सोनिया चव्हाण - दूरभाष क्रमांकः 9960856406 1. वसई तहसील में डॉ. नकुल कोरडे -दूरभाष क्रमांकः 9768366620 तथा स्मिता गायकवाड - दूरभाष क्रमांक 7387311153 को नियुक्त किया गया है। 2. पालघर तहसील में डॉ. राहुल संखे -दूरभाष क्रमांक 8007071944 तथा डॉ. नेहा माली झदूरभाष क्रमांक 8600784577 को नियुक्त किया गया है। 3. डहाणू तहसील में संदेश सुकाले -दूरभाष क्रमांक 7875301574 तथा कु. स्वप्नाली शिंदे झदूरभाष क्रमांक 7000151881 को नियुक्त किया गया है। 4. तलासरी तहसील में भूषण मयेकर -दूरभाष क्रमांक 9421633013 तथा कुणाल दलवी -दूरभाष क्रमांक 7021952290 को नियुक्त किया गया है। 5. विक्रमगड तहसील में डॉ. अंशुमन कारले - दूरभाष क्रमांक 9420912384 तथा प्रवीण दिघे -दूरभाष क्रमांक 7875305875 को नियुक्त किया गया है। 6. वाडा तहसील में डॉ. नितीन लवटे -दूरभाष क्रमांक 8108235319 तथा गीता मुकणे - दूरभाष क्रमांक 9156790088 को नियुक्त किया गया है। 7. मोखाडा तहसील में डॉ. सचिन भालचिम - दूरभाष क्रमांक 9922417373 तथा परमेश्वर पोटे -दूरभाष क्रमांक 9890753631को नियुक्त किया गया है। 8. विक्रमगड तहसील में डॉ. जयकुमार सातव -दूरभाष क्रमांक 9423124827 तथा विनायक भोये - दूरभाष क्रमांक 8097432881को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर नियुक्त ये नोडल अधिकारी लाभार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेज अपलोडिंग एवं योजना से संबंधित जानकारी देंगे। इन अधिकारियों की जानकारी कार्यालयों में प्रदर्शित की गई है। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए नजदीकी पशु चिकित्सालय में संपर्क करें अथवा पशुसंवर्धन विभाग के टोल फ्री नंबर 1962 (सोमवार से शनिवार, सुबह 7 से शाम 6 बजे तक) पर कॉल करें।

पालघर जिले की सामन्वयक बनी विधायक स्नेहा दुबे पंडित

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। आयोजित पहली बैठक में वसई विरार और पालघर जिले के समन्वयक के रूप में विधायक स्नेहा दुबे पंडित की नियुक्ति की गई। यह बैठक प्रवीण दारकेकर की अध्यक्षता में बांद्रा स्थित म्हाडा मुख्यालय में हुई, जिसमें वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र की 200 अत्यधिक खतरनाक (सी-1 श्रेणी) इमारतों को ध्वस्त करने के मुद्दे पर चर्चा की गई। इसके कारण हजारों परिवारों के बेघर होने का संकट उत्पन्न हो रहा है। बैठक में वसई-विरार और पालघर जिले में रुकी हुई पुनर्विकास परियोजनाओं को फिर से सक्रिय करने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया गया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित को समन्वयक नियुक्त किए जाने के साथ ही नवी मुंबई-पनवेल के लिए प्रशांत ठाकुर की भी नियुक्ति की गई। अब इन परियोजनाओं को पटरी पर लाने के लिए जल्द ही एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी और कार्यान्वयन में गति लाई जाएगी।

दादा साहब फाल्के फिल्म फाउंडेशन अवार्ड समारोह आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दादा साहब फाल्के फिल्म फाउंडेशन अवार्ड समारोह एक बहुत ही शानदार और जीवंत कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और उन्हें सम्मानित किया गया। इसमें गायकों, संगीतकारों, लेखकों और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम की सफलता का एक प्रमुख कारण था गायकों और स्टैंडअप कॉमेडियन्स का बेहतरीन प्रदर्शन, जिसने पूरी रात को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर सुजीत सरकार, ई श्रीनिवास, अनु मलिक, उदित नारायण, शान, समीर अंजान, अनुपमा देशपांडे, मन्दाकिनी, रश्मी देसाई, अमर उपाध्याय, जेमी लीवर, गौरव शर्मा, धर्मेश मेहता, सुषमा शिरोमणि और अन्य कई प्रमुख हस्तियों ने सम्मान प्राप्त किया। इसके साथ ही, क्टढढअ के सदस्य, जैसे ब्रिज मित्तल, डीएस मित्तल, चैतन्य पदुकोण, रेखा खान, सोहेल फि दाई, और अन्य वरिष्ठ पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन अशफाक कोपेकर ने किया, और इसमें राष्ट्रपति बाबू भाई थिबा, अध्यक्ष अशोक शेखर, उपाध्यक्ष रितेश त्रिपाठी, सेलिब्रिटी कोऑर्डिनेटर नीता बाजपेयी, और महिला-पुरुष एंकर जाकिर खान और खुशबू ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इवेंट स्क्रिप्ट मुकेश पटेल ने तैयार की, और इस आयोजन में गायक सोनू निगम और सुषमा शिरोमणि को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। कुल मिलाकर, यह समारोह फिल्म उद्योग और कला के प्रति सम्मान और प्रेम को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन तरीका था।

पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों 'कंपोस्ट खड्डा भरें, अपना गांव स्वच्छ रखें' अभियान का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के जलापूर्ति और स्वच्छता विभाग के निदेर्शानुसार पालघर जिले में गुरुवार 1 मई 2025 को 'कंपोस्ट खड्डा भरें, अपना गांव स्वच्छ रखें!' विशेष स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान का शुभारंभ कोलगांव में पालघर के पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों किया गया।

इस अवसर पर पालकमंत्री समेत अन्य मान्यवरों ने गीले और सूखे कचरे को कंपोस्ट खड्डे में डालकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, निवासी जिलाधिकारी सुभाष बागडे, प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, कोलगाव सरपंच कुणाल चंद्रकांत पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप, इजाज अहमद शरीख मसलत, पानी व स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारसकर, गट विकास अधिकारी बापूराव नाले, उपसरपंच किरण संखे, सदस्य योगेश पाटील, दिलीप कोलेकर, नैनीता पाटील व मेघुल पाटील प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।पालकमंत्री गणेश नाईक ने इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के तहत प्रारंभ किए गए इस अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, कंपोस्ट निर्माण और पर्यावरणीय उपाय आज की आवश्यकता है। ऐसे अभियानों से गांव स्तर पर स्वच्छता की भावना और जागरूकता में वृद्धि होगी। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गीले कचरे का समुचित प्रबंधन कर कंपोस्ट और वर्मी कम्पोस्ट (गांडूळ खत) का उत्पादन करना है। यह विशेष स्वच्छता अभियान 1 मई से 30 सितंबर 2025 तक प्रभावी रूप से चलाया जाएगा। इस अवसर पर कोलगाव ग्राम पंचायत में घंटा गाड़ी का उद्घाटन, गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदानों का वितरण तथा प्लास्टिक मुक्त गांव का संदेश देने वाली थैलियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में तंटामुक्ति अध्यक्ष मेहुल पाटील, ग्राम पंचायत अधिकारी जितेंद्र पवार, मंडल अधिकारी वायकर, तलाठी चुरी, गांव स्तर के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित थे।

पालघर जिला परिषद में महाराष्ट्र दिवस पर ध्वजारोहण समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में पालघर जिला परिषद परिसर में गुरुवार 1 मई 2025 को ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों ध्वजारोहण किया गया।

कार्यक्रम में प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीफ मसलत, चंद्रशेखर जगताप, अतुल पारसकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण भावसार, मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी धनराज पांडे, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर, माध्यमिक शिक्षणाधिकारी संगीता भागवत सहित जिला परिषद कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सभी उपस्थितों को महाराष्ट्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पीएस फाउंडेशन का मेगा रक्तदान शिविर सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्था पीएस फाउंडेशन के बैनर तले रविवार को मेगा रक्तदान शिबिर का आयोजन कौंडिवेटा एमआईडीसी अँधेरी पूर्व में किया गया था। जिसमें पूरे अँधेरी पूर्व विधानसभा से सभी जाति धर्म के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान किया। पूर्व पुलिस अधिकारी और पीएस फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि संसार मे रक्तदान से बड़ा ना कोई दान है और ना कोई पुण्य है। शर्मा ने आगे कहा कि यह फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान का छठवां वर्ष था। जिसमें पूरे क्षेत्र से लोगों ने भाग लिया और दुनियां के सबसे बड़े दान के सहभागी बनें। मैं उन सभी रक्तदान दाताओं का आभारी हूँ। जिन्होंने इसे सफल बनाते हुए इंसानियत का जीता जागता उदाहरण पेश किया। और फाउंडेशन की

उपाध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने लोगों के लिए मिशाल पेश करते हुए 57 वर्ष में रक्तदान कर मानवता का उदाहरण स्थापित किया। जिसकी चारों तरफ खूब तारीफ की जा रही है। फाउंडेशन की उपाध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस शिबिर का आयोजन थलेसेमियाँ से पीड़ित बच्चों के लिए हर वर्ष किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक ऐसी बीमारी बच्चों में पाई जाती है कि जहां पर बच्चों को खून की जरूरत महीनें भर के अंदर पड़ता है उन्हीं के जीवन को बचाने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। फाउंडेशन के अध्यक्ष व उपाध्यक्षा शर्मा दाम्पत्य द्वारा सभी दाताओं को सर्टिफिकेट देकर उन्हें सम्मानित किया गया। और उनके जीवन की सुखमय कामना करते हुए प्रदीप शर्मा ने पीएस फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं को इस यादगार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार जताया। और इस रक्तदान शिविर में बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित हुआ और इसे फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंदों की सेवा सुपुर्द कर दिया गया।

ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की ओर से विद्यार्थियों को खाद्य व शैक्षणिक सामग्री वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में जिला परिषद विद्यालय पोफरण, केंद्र उच्छली, तहसील व जिला पालघर में उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की अध्यक्षा डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे के करकमलों से ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान, ध्वज गीत तथा महाराष्ट्र गीत की प्रस्तुति से हुई। इसके पश्चात डॉ. स्मिता मालवदे ने विद्यार्थियों को देशभक्ति की प्रेरणादायी कहानियों के माध्यम से

मार्गदर्शन किया, जिससे बच्चों में राष्ट्रप्रेम व कर्तव्यनिष्ठा की भावना जागृत हुई।संस्था की ओर से डॉ. स्मिता ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की, जिससे वे ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी अध्ययन जारी रख सकें। साथ ही बच्चों को स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ (नाश्ता) भी वितरित किया गया। डॉ. स्मिता मालवदे ने जून महीने में विद्यार्थियों को और अधिक पाठ्य सामग्री प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन विद्यालय की शिक्षिका चारुला संखे ने किया। प्रमुख शिक्षक संतोष भंडारी ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर स्कूल व्यवस्थापन समिति की अध्यक्षा सुप्रिया मोरे एवं अभिभावक गण भी उपस्थित थे।अंत में चारुला संखे ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

शरणी द्वारा लिखित किताब माइंडसेट शिफ्ट का अनावरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आंध्र प्रदेश के सम्माननीय मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और सिने अभिनेता कोनिडेला चिरंजीवी ने हाल ही में सम्माननीय नगर प्रशासन मंत्री पी नारायण की बेटी शरणी पोंगुरु द्वारा लिखित किताब माइंडसेट शिफ्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर, सम्माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि, जीवन में सफलता के लिए सकारात्मक सोच और दृढ़ निश्चय आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि, व्यक्ति को सही समय पर सही अवसर का उपयोग करना चाहिए और लक्ष्य तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक की पहली प्रति चिरंजीवी को भेंट की गई। भारत की नंबर 1 मूवी इवेंट और प्रमोशनल कंपनी श्रेयस मीडिया ने पुस्तक लॉन्च कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया था।

माइंडसेट शिफ्ट सिर्फ.एक और किताब नहीं है - यह एक परिवर्तनकारी ब्लूप्रिंट है, जो हमारे सोचने, कार्य करने और सफलता

प्राप्त करने के तरीके को बदल देगा। यह किताब व्यक्तियों को उनकी मानसिक बाधाओं को तोड़ने और उनकी उच्चतम क्षमता को अनलॉक करने में मदद करने के लिए डिजाइन की गई है। माइंडसेट शिफ्ट बाजार में चर्चा का विषय बन रही है और लेखक इसे वैश्विक स्तर पर लॉन्च करने की योजना बना रही है।

लेखक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए, श्री नायडू ने श्री नारायण की बेटियों की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बचपन में देखा है। शरणी और उनकी बहन सिंधुरा नारायण शैक्षणिक संस्थानों का प्रबंधन करने वाले प्रभावशाली नेताओं के रूप में विकसित हुई हैं, यह देखकर बहुत खुशी हो रही है। सुश्री शरणी पोंगुरु, एक दूरदर्शी नेता, नारायण समूह की निदेशक है। वह टोनी रॉबिंस की कार्यप्रणाली द्वारा रणनीतिक हस्तक्षेप कोचिंग में प्रशिक्षित प्रमाणित मास्टर हिप्नोसिस प्रैक्टिशनर, प्रमाणित आईसीएफ कोच और एनएलपी सर्टिफाइड भी हैं।

विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा भगवान परशुराम जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बोईसर (पूर्व) स्थित आशादीप विद्यामंदिर हाईस्कूल, महावीर नगर परिसर में विधिपूर्वक पूजन, आरती एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पारंपरिक ढंग से हुई। विद्यालय परिसर में आयोजित ईश स्तवन एवं भजन प्रतियोगिता में कुल 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाने वाले

भगवान परशुराम के जीवन, उनके आदर्शों, सामाजिक संदेशों और धर्म-संरक्षण की शिक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित जनों ने परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, ज्योतिषाचार्य एकदेव श्रीनेत्र, अमित दुबे, रामभवन तिवारी, सोनू पाण्डेय, विवेक चौबे, शिवप्रताप मिश्र, विमल मिश्र सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के सदस्य मौजूद रहे। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी विभिन्न ब्राह्मण संगठनों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा पूजन, आरती, शोभायात्रा और विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में आशादीप विद्यामंदिर हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक हरिओम शरण मिश्र ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

केसीएन क्लब द्वारा मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर पश्चिम के केसीएन हॉल में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र दिवस अंतरराष्ट्रीय कामगार दिवस व जम्मू कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए सैलानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के निमित्त आयोजित किया गया।कार्यक्रम में कुछ वरिष्ठ पदाधिकारीयो को नियुकि पत्र देकर नए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी व उधोजक राकेश बसंतीलाल आचार्य ने की व प्रमुख अतिथि के रूप में देश के वर्तमान कार्यरत सैनिक सागर पाटिल अकोला से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष नँदन मिश्र त्यागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीता श्रीधर राऊत, निर्झरिणी प्रदेश अध्यक्ष शेखर तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा कवि व निर्झरिणी मंच के पालघर जिलाध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित ने

किया, कार्यक्रम में देवेंद्र मेश्राम को महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया प्रभारी, राकेश आचार्य को महाराष्ट्र कोंकड मण्डल अध्यक्ष, यजुवेंद्र सावे को कोंकड मण्डल उपाध्यक्ष, सुनील पाटील पालघर जिलाध्यक्ष, बैजनाथ महतो को मधुबनी जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति पत्र देकर नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में ललित राबेरी, सुशील शर्मा, दिनेश धुरिया सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम में कवि सूर्यजीत मौर्या, अरविंद द्विवेदी, गुलाब चौहान, चन्दन झा, अरविंद दोषी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जलालपुर व सर्विलांस सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने 25 हजार के इनामिया आरोपी को किया गिरफ्तार

जलालपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों एवं वांछित/वारन्टी/इनामिया की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।

अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एंव क्षेत्राधिकारी केराकत, जौनपुर व थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में व0उ0नि0 तारकेश्वर राय, मय हमराह व सर्विलांस सेल जनपद जौनपुर की मदद से एक आरोपी इनामिया (25000 रुपये) लक्ष्मण बिन्द पुत्र निरंजन बिन्द निवासी छेउरी थाना रामगढ़ जनपद कैमूर बिहार सम्बन्धित मु0अ0स0- 144/24 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट थाना जलालपुर जौनपुर को ग्राम हौज टोल प्लाजा के पास जौनपुर मोड़ से गिरफ्तार किया गया। बाद गिरफ्तारी नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रक ने दो बार कार को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे पति-पत्नी, चालक को मामूली आई चोट

चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के रामपुर थाना क्षेत्र के गंधौना गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को दो बार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार तीन लोग बाल-बाल बच गए। जबकि कार चालक को मामूली चोटें आईं। ट्रक चालक घटना के बाद वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना उस समय हुई जब सुरेरी थाना क्षेत्र के परमालपुर निवासी राहुल पांडेय अपनी पत्नी जूली पांडेय और कार चालक अंकित सरोज के साथ दवा के लिए जौनपुर जा रहे थे। रामपुर बाजार से थोड़ा आगे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी रेनॉल्ट ट्राइबर कार को टक्कर मार दी, जिससे कार का दाहिना हिस्सा बुरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद भी ट्रक चालक नहीं रुका और भागने लगा। कार चालक ने हिम्मत दिखाते हुए ट्रक का पीछा किया और गंधौना मोड़ के पास ओवरटेक कर ट्रक को रुकवाने की कोशिश की।

इसी दौरान ट्रक चालक ने एक बार फिर कार में टक्कर मार दी। हादसे में चालक अंकित सरोज को मामूली चोटें आईं। ट्रक को ग्रामीणों ने घेर लिया, जिसके बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर जमालपुर चौकी प्रभारी सुरेश सिंह मौके पर पहुंचे और ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। समाचार लिखे जाने तक चौकी प्रभारी मौके पर मौजूद थे और कार मालिक से तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी।

जौनपुर में बदला मौसम का मिजाज, तेज आंधी और बारिश से गर्मी से मिली राहत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। रविवार को दोपहर बाद तेज धूप और भीषण गर्मी के बीच आई तेज आंधी

और बारिश ने लोगों को बड़ी राहत दी। तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। जहां पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था, वहीं बारिश के बाद यह गिरकर 35 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।इस मौसम परिवर्तन से जनपदवासियों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। लोग जहां सुबह तक तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान थे। वहीं शाम होते-होते मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

बदलापुर के लेखपाल का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

सूचना मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी बदलापुर तहसील में कार्यरत लेखपाल विवेक यादव का शव नीमा गोपलपुर स्टेशन के पास पाए जाने से सनसनी फैल गई। हांलाकि पुलिस उनकी मौत मालगाड़ी की चपेट में आने से बता रही है। जब कि परिजन इसे संदिग्ध मान रहे हैं। सूचना पर पहुची पुलिस और आरपीएफ ने पंचायतनामा के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताया है। परिजनों को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इन्तजार है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बदलापुर की एसडीएम डॉ.योगिता सिंह,

तहसीलदार राकेश कुमार, नायब तहसीलदार बृजेंद्र सिंह तथा लेखपाल संघ के अध्यक्ष लालचंद पांडे ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित किया। सभी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए परिजनों को यह सदमा बर्दाश्त करने के लिए ढाढस बंधाया। महराजगंज थाना क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी 32 वर्षीय विवेक यादव पुत्र राम अवध यादव बदलापुर तहसील में राजस्व लेखपाल के पद पर कार्यरत थे। परिजनों ने बताया कि शनिवार शाम तहसील से ड्यूटी कर घर के लिए निकले थे। किन्तु वह घर पहुंचने से पूर्व ही रामनगर से फिर वापस हो गये। जिनका घर से 25 किलोमीटर दूर सुल्तानपुर जिले के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के निमागोपालपुर रेलवे क्रासिंग पर शव मिला। परिजनों ने बताया कि रात 1 बजे आसपुर देवसरा पुलिस का फोन आया। तब घटना की जानकारी मिली। पुलिस ने परिजनों को बताया कि मालगाड़ी के चपेट में आने से उनकी मौत हो गई है। सूचना पर परिजन और सगे संबंधी मौके पर पहुच गये। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।विवेक दो भाईयों में बड़ा था। छोटा भाई धीरज यादव उत्तर प्रदेश पुलिस के पद पर बलरामपुर में कार्यरत है। विवेक की चार माह पहले 9 दिसंबर को शादी हुई थी।जिनकी पत्नी प्रयागराज में रहकर पढ़ाई करती है। बेटे की मौत की सूचना पर पत्नी,मां और परिवार सदमे में है। लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

27 मई को मनाईं जायेगी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक की पुण्यतिथि

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जनपदीय बैठक रैदोपुर में हुई। जिसमें 27 मई को एसोसिएशन के संस्थापक बाबू

बालेश्वर लाल की पुण्यतिथि मनायें पर जाने का निर्णय लिया गया। तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को तहसील वार जिम्मेदारी सौंपी गयी। इसके आलावा संगठन को मजबूत बनाने एवं पत्रकारों के समस्याओं पर चर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बृजभूषण उपाध्याय एवं संचालन कृष्ण मोहन ने किया। बैठक में देवेन्द्र मिश्र,आसीत कुमार, सत्येन्द्र सिंह, प्रभात सिंह, उदय भान गौड़, राम प्रसाद मिश्र, महेश प्रसाद मिश्र, रविन्द्र मिश्र, प्रदीप कुमार वर्मा, संतोष मिश्रा, अजय राय, मधुसूदन पाण्डेय, शमशाद अहमद, संतोष उपाध्याय, अजय सिंह, रघुवंश मणि त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक जख्मी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र सीहीपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क हादसे में बाइक सवार युवक जख्मी हो गया उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।बताया गया है कि इसी थाना क्षेत्र के सचिन यादव उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र घनश्याम यादव ग्राम ,शहादत बिंदोली निवासी शनिवार शाम लगभग 6:00 बजे सीहापुर पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे में घायल हो गया। सूचना पर एंबुलेंस 108 नंबर कर्मचारी को एंबुलेंस समय से मरीज के पास पहुंचता। और देखा कि मरीज के

सर से ब्लीडिंग हो रही होती है। पायलट मोहम्मद शाहिद और एमटी जयप्रकाश के द्वारा लखनऊ डॉक्टर से बात करके ट्रीटमेंट करते हुए जिला अस्पताल जौनपुर पहुंचाया गया।

हैंडपंप के पास पानी को लेकर दो पक्षों में विवाद, लाठी-डंडे से हमला, युवती गंभीर रूप से घायल

रियाजुल हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के रेहटी तुल्लापुर गांव में रविवार को हैंडपंप के पास बने गड्ढे में पानी भरने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने लगे। तस्वीरों आप देख सकते की किस तरह लाठी डण्डे चल रहे है।इस घटना में एक 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पीड़िता की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

शॉट सर्किट से लगी आग, सारा सामान जलकर खाक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा विकासखंड के भकडी.में रविवार की रात्रि लगभग ग्यारह बजे कमलेश यादव के छप्पर में आग लग गई जब जिससे

छप्पर में रखा खाद्यान्न सामाग्री जल गया पूछने पर कमलेश यादव ने बताया कि रात्रि का समय था जब तक लोग समझ पाते तब तक चार छप्पर व उसमें रखा गेहूं, चावल, हाल में खोदकर रखी लहसून, प्याज व कपड़े सब जल गये।

शकुंतला सेंटर एकेडमी द्वारा आयोजित देवी जागरण व विशाल भंडारा संपन्न

बजरंगबली मंदिर पर गायक कलाकारों के गीतों पर देर रात तक लोग झूमते रहे

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिविल लाइन स्थित शकुंतला सेंटर एकेडमी के सामने स्थित बजरंग बली मंदिर पर दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसका समापन शनिवार को हवन- पूजन एवं विशाल भंडारा के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर शकुंतला सेंटर एकेडमी के डायरेक्टर अवनीश शुक्ला मनीष ने बताया कि बजरंग बली मंदिर बहुत प्राचीन मंदिर है जिसका स्कूल द्वारा जीर्णोद्धार कराकर अखंड रामायण पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। देर रात भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर देवी जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसका शुभारंभ अधिवक्ता आशीष शुक्ला जमैथा ने दीप प्रज्वलित कर किया और सभी गायक कलाकारों को स्कूल के डायरेक्टर अवनीश शुक्ला व अविनाश शुक्ला ने चुनरी ओढाकर सम्मानित किया। बनारस से आए हुए

गायक कलाकारों ने एक से गीत प्रस्तुत किया। जिसमें देवी गीत गायिका प्रियंका पाण्डेय ने निमिया की डार पचरा गीत सुनकर सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, गायक मदन मुरारी, सहाव सांवरिया ने बाबा के दीवाने जगदंबा घर में गीत गाकर लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। प्रसिद्ध देवी गीत गायक आशीष पाठक अमृत के गीतों पर लोग भाव- विभोर हो गए। कार्यक्रम का संचालन ठेकेदार नथुनी यादव व शिवम यादव ने किया। आए हुए सभी आगंतुओं का आभार प्रबंधक शकुंतला शुक्ला ने वक्त किया।

इस दौरान खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव,पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, राज मंत्री राम प्रकाश दुबे, बार अध्यक्ष सुभाष यादव, घनश्याम सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव, नपा प्रतिनिधि डॉ.रामचंद्र मौर्य, ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र शुक्ला, अनिल शुक्ला, प्रधानाचार्य विजय शंकर दुबे, अंजना श्रीवास्तव व सभी प्रशासनिक अधिकारी सहित आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के लिए जमीन चिन्हित करने पहुंचे जिलाधिकारी

रामपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के तेजतर्रार जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र रविवार को रामपुर विकासखंड के पूरेदयाल गांव पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण हेतु भूमि का निरीक्षण किया। यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शों के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया कदम है।जिलाधिकारी के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया, मड़ियाहूं के उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव तथा राजस्व विभाग की टीम भी मौजूद रही।डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि

मुख्यमंत्री मॉडल विद्यालय में आंगनबाड़ी से लेकर कक्षा 12 तक की पढ़ाई की सुविधा होगी। विद्यालय में आधुनिक सुविधाएं जैसे स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, खेल मैदान और कैंटीन आदि उपलब्ध होंगी, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों के साथ संवाद भी किया और उन्हें मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के इस पहल की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

नहीं रहे 129 साल के योग गुरु बाबा शिवानंद

पद्मश्री से किए गए थे सम्मानित, प्रधानमंत्री और सीएम योगी ने जताया शोक

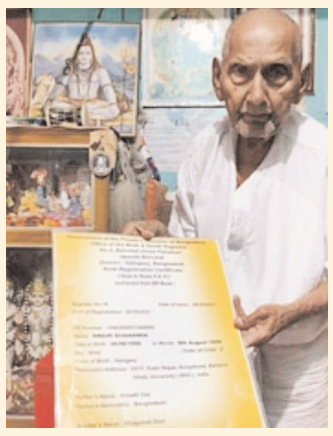

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में योग गुरु बाबा शिवानंद के आश्रम में उनके अंतिम दर्शन के लिए भक्तों का ताता लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर शोक संवेदना व्यक्त की। ट्वीट में उन्होंने लिखा कि- योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था।योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग इंसान का दावा: 129 साल के योग गुरु बाबा शिवानंद संयम, योग और सादगी की प्रतिमूर्ति थे। उनकी सादगी ने अविभाजित बंगाल के शिवानंद को काशी में बाबा शिवानंद बनाया। दुनिया के सबसे बुजुर्ग इंसान होने के बाद भी उनकी फुर्ती हर किसी को हैरान कर देती थी 3 दिन पहले तक द्वितीय तल पर रह रहे शिवानंद बिना किसी सहारे के दिन में 2-3 बार नीचे ऊपर बिना किसी कठिनाई के सीढियाँ चढ़ते थे।

बरेका गोल्फ क्लब की चमकी किस्मत, मिली बड़ी सौगात

वरिष्ठ खिलाड़ी ने भेंट की अत्याधुनिक गोल्फ कार्ट, महाप्रबंधक ने किया लोकार्पण

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बरेका गोल्फ क्लब को रविवार को एक नई और अत्यंत उपयोगी

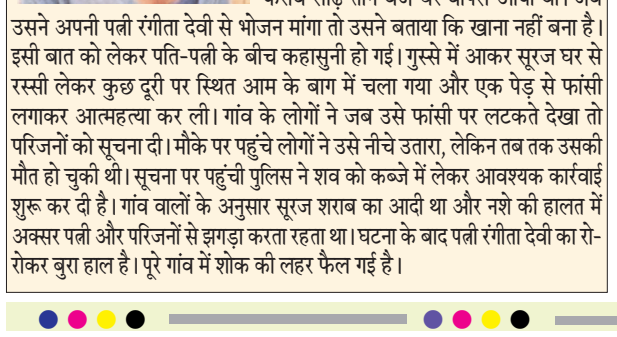

सुविधा मिली। क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं प्रतिष्ठित गोल्फ खिलाड़ी अरुण कुमार सिंह ने क्लब को एक अत्याधुनिक गोल्फ कार्ट भेंट की। इस उपहार का उद्देश्य विशेष रूप से बुजुर्ग और वरिष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों को मैदान में सहजता से आने-जाने में सहायता प्रदान करना है।जिससे उनकी सक्रियता बनी रहे और खेल के प्रति उनका लगाव और बढ़े। महाप्रबंधक नरेशपाल सिंह ने इसका विधिवत लोकार्पण किया। अरुण कुमार सिंह बीएलडब्ल्यू गोल्फ क्लब के लोकप्रिय सदस्य हैं, जिन्होंने 2017 और 2023 में ₹होल इन वन₹ जैसी दुर्लभउपलब्धियों के साथ अपनी उत्कृष्ट खेल क्षमता का परिचय दिया है। उनकी यह पहल क्लब के प्रति उनके समर्पण और खेल को सभी वर्गों के लिए सुविधाजनक बनाने के उनके दृष्टिकोण को दशार्ती है।गोल्फ कार्ट का विधिवत लोकार्पण बीएलडब्ल्यू के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह द्वारा पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ किया गया। महाप्रबंधक ने इस अवसर पर अरुण कुमार सिंह को उनके प्रेरणादायी योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल न केवल खेल को प्रोत्साहन देने वाली है, बल्कि बुजुर्ग खिलाड़ियों के लिए एक सुविधा का द्वार भी खोलती है। क्लब परिवार ने इस योगदान की भूरी-भूरी सराहना की।

इस दौरान बरेका खेलकूद संघ के अध्यक्ष एवं प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस. के. श्रीवास्तव, महासचिव एवं मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (उत्पादन एवं विपणन) सुनील कुमार, गोल्फ कैप्टन शिशिर त्यागी, मुख्य यांत्रिक सेवा इंजीनियर नीरज जैन, मुख्य अभिकल्प इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) अनुराग गुप्ता, मुख्य सामग्री प्रबंधन अधिकारी अमित वर्मा, उप महाप्रबंधक अनुज कटियार, वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी बहादुर प्रसाद और जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार सहित अनेक गणमान्य अधिकारी एवं गोल्फ खिलाड़ी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

आरपीएफ व विजिलेंस टीम की छापेमारी, दो हिरासत में

110 टिकट, दो लैपटॉप व दो मोबाइल बरामद, टिकट दलालों में हड़कंप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र के चिलबिली व चम्पानगर बाजार में उस समय हड़कंप मच गया, जब रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) लखनऊ की विजिलेंस, शाहगंज आरपीएफ की संयुक्त टीम अचानक टिकट दलालों की तलाश में आ धमकी। कार्रवाई में विभिन्न स्थानों के 110 टिकटों, दो लैपटॉप और दो मोबाइल समेत दो दलालों को पकड़ने में टीम को सफलता मिली। रेलवे की धारा 143 के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए रेलवे पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी रही।नाम न छापने की शर्त पर रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित साफ्टवेयर से अवैध टिकट बनाने की सूचना पर क्षेत्र के चिलबिली और चम्पानगर बाजार में संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। टीम की इस कार्रवाई से टिकट दलालों के बीच जहां हड़कंप मच गया, वहीं चम्पानगर बाजार से चिलबिली गांव निवासी अब्दुल हफीज पुत्र अब्दुल सलाम और सगीर खान पुत्र इलियास टीम के हत्थे चढ़ गए। इस दौरान उनके पास से विभिन्न स्थानों के 110 टिकट, लैपटॉप बरामद करने में टीम को सफलता मिली। मामले में रेलवे पुलिस धारा 143 के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों से मामले में जांच पड़ताल में जुटी हुई है। सूत्रों की मानें काफी अर्से से उक्त गोरखधंधा बड़े पैमाने पर क्षेत्र में फल फूल रहा है।

हेड कांस्टेबल का रूम में मिला शव

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। हेड कांस्टेबल मांधाता सिंह का रूम में मिला शव। ब्रेन हैमरेज और हार्ट अटेक से मौत की आशंका। रात में सोने के दौरान मौत की कही जा रही बात। रूम ना खुलने

पर दूध वाले ने साथियों को दी जानकारी। रूम से निकाल कर मांधाता सिंह को सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने देखते ही मांधाता सिंह को किया मृत घोषित। मूल रूप से गाजीपुर के रहने वाले मांधाता सिंह, थाना कोन में पीआरबी 112 नम्बर में तैनात थे।

पत्नी ने किया भोजन देने से किया इनकार तो पति ने आम के पेड़ से लटकर लगा लिया फांसी, हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के करनपुर गांव में शनिवार

दोपहर एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां घरेलू विवाद से आहत एक युवक ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान 25 वर्षीय सूरज चौहान पुत्र प्रदीप चौहान के रूप में हुई है, जो गांव में रहकर ही मजदूरी करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरज रोज की तरह शनिवार सुबह काम पर गया था और दोपहर करीब साढ़े तीन बजे घर वापस आया था। जब उसने अपनी पत्नी रंगीता देवी से भोजन मांगा तो उसने बताया कि खाना नहीं बना है। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर सूरज घर से रस्सी लेकर कुछ दूरी पर स्थित आम के बाग में चला गया और एक पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गांव के लोगों ने जब उसे फांसी पर लटकते देखा तो परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव वालों के अनुसार सूरज शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर पत्नी और परिजनों से झगड़ा करता रहता था। घटना के बाद पत्नी रंगीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

भीषण गर्मी में जफराबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए पीने का पानी उपलब्ध नहीं, यात्री परेशान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद रेलवे स्टेशन पर इस भीषण गर्मी में यात्रियों के लिए पीने का पानी उपलब्ध नहीं है जिससे यात्री काफी परेशान रहते हैं। ज्ञात हो कि जफराबाद जंक्शन पर दर्जनों गाड़िया रुकती है। इसमें मुंबई, दिल्ली, पटना, लखनऊ आदि स्थानों पर निकलती है। इन ट्रेनों से यात्रा करने वाले सैकड़ो यात्रियों के लिए रेलवे ने पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं किया है।स्टेशन के प्लेटफार्मों पर पर ओवर हेड टंकी से पेयजलापूर्ति के लिए जगह जगह टोटी लगाई गई है। ये टोटियां मात्र दिखावा साबित हो रही हैं। जब आवश्यकता रहती है तब ये टोटियां पानी नहीं देती हैं। गर्मी के चलते आम गरीब यात्री मजबूरी में डुप्लीकेट बोतल का पानी महंगे दाम पर

खरीदता है।इससे वेंडरों को काफी लाभ मिलता है।आम आदमी की परेशानी से इन जिम्मदार लोगों का कोई वास्ता नहीं है। लोग किस हालात में यात्रा करते हैं। उनके पास महंगे दाम में बोतल का पानी खरीदने का पैसा है या नहीं, उससे कोई मतलब नहीं है। रेलवे स्टेशन पर सुविधा के नाम पर कुछ नहीं है। यात्रियों में जो स्थानीय होते हैं। वे तो अपनी शिकायत दर्ज करवाते हैं लेकिन बाहरी यात्री अपनी परेशानी किसी से बता नहीं पाते। वहीं वेंडर महंगे दाम पर गाड़ी के अंदर पानी बेचते है क्योंकि शिकायत के बाद भी उनके ऊपर कभी कोई कार्यवाही नहीं होती। सबसे ज्यादा गोदान एक्स के आने-जाने वाले यात्रियों के साथ वेंडर ज्यादती करते हैं। जिम्मेदार मौन धारण किए होते हैं।और कुंभकर्णी निद्रा में सो रहे है।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

पुलिस कमिश्नरेट के आदेश पर चलाया गया सघन चेकिंग का अभियान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस कमिश्नरेट के आदेश पर शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर एसीपी सारनाथ विजय प्रताप सिंह व सारनाथ थाना प्रभारी विवेक त्रिपाठी व आशापुर चौकी प्रभारी अनिल सिंह चंदेल व उ0नि0 संदीप सिंह ने अपने टीम के साथ आशापुर पंचकोषी चौराहा रसूलगढ़ में चलाया गया चेकिंग अभियान जिसमे बगैर हेलमेट व ट्रिपल सवारी व बगैर नंबर के वाहनों का किया गया चालान कई गाड़ियां सीज भी किया गया।

जमीनी विवाद में हेड कांस्टेबल पर मारने पीटने और धमकी देने का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने पट्टीदारों पर उसके आबादी की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास तथा मारने पीटने और धमकी देने का आरोप लगाया है।जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव निवासी सुबाष मौर्य ने शनिवार को थाने पर तहरीर देते हुए आरोप लगाया हैं कि उसके आबादी की पैतृक बंटवारे की जमीन पर उसके सभी पट्टीदार काबिज है। उसके एक पट्टीदार संजय मौर्य जो पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल है। और इस समय उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जनपद में तैनात है। आरोप है कि शनिवार को सुबह 11 बजे जबरदस्ती जमीन की बाउंड्री करवा रहा था। मना करने पर हेड कांस्टेबल और दो अन्य लोगो के साथ मिलकर मारपीट करने लगे। घटना की सूचना देने पर डायल 112 पुलिस आ गयी। पुलिस के आने के बाद हो रहा निर्माण कार्य रुका। सुभाष ने बताया कि अब भी मारने पीटने की धमकी हेड कांस्टेबल संजय मौर्य द्वारा दी जा रही है।

खंड शिक्षा अधिकारी के सामने प्रधान और प्रधानाध्यापक के बीच हुआ नोक झोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।विकासखंड करंजाकला क्षेत्र के शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय मंगदपुर का औचक निरीक्षण किए और प्रधानाध्यापक के ऊपर लगाए गए आरोप की गहनता से जांच किए और पिछले 1 साल से एमडीएम बजट के बारे में जानकारी लिए तो उन्होंने मौके पर कुछ भी नहीं बता पाए। बता दे कि प्राथमिक विद्यालय मंगदपुर में 1 सप्ताह पहले प्रधान ने प्रधानाध्यापक शिव शंकर गुप्ता के ऊपर आरोप लगाया था कि बच्चों को सही समय पर सही भोजन नहीं मिलता। जिससे इस खबर मीडिया में प्रकाशित होते ही खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार ने प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किए। और एमडीएम में पिछले 1 साल का खर्च का रिकॉर्ड मांग लिए लेकिन प्रधानाध्यापक ने नहीं दे पाए। और उन्होंने विद्यायल में रखे गैस को भी वहां से हटवा दिया। जिसमें पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लकड़ी पर बनता है और खण्ड शिक्षा अधिकारी के सामने ग्राम प्रधान व प्रधानाध्यापक में काफी समय तक नोक झोक हुई ग्राम प्रधान ने खंड शिक्षा अधिकारी से कहा कि पिछले एक साल से एक भी पैसा एमडीएम ने नाम पर नहीं निकाला गया और न ही पिछले एक साल से बजट का बिल भी नहीं दिखा पा रहे हैं। और उन्होंने ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सिर्फ विद्यालय में आकर मोबाइल चलाती हैं ना कि बच्चों को पढ़ाती हैं जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने शक्ति से पेश आते हुए प्रधानाध्यापक को फटकार लगाया और कहा कि अब कोई शिकायत मिलती है तो आपके खिलाफ कार्यवाही की जाए। प्रधानाचार्य शिव शंकर गुप्ता ने बताया कि हम अपने दुकान से बच्चों के हिसाब से हर रोज राशन जाता है जो भी एमडीएम की बिल बनती हैं महीने में एक बार मिलती। बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरख नाथ पटेल ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य और प्रधान दोनों लोगों के खिलाफ लिख भेज दिए हैं जांच करवा करके दोनों लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

नाबालिग लड़कियों को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस ने तीन नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोप में एक व्यक्ति को रविवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।आरोपी की पहचान इसरार के रूप में हुई है। वह गौतमबुद्धनगर जिले के दनकौर थाना क्षेत्र के डेरीनखुबन माजरा मुज खेड़ा का रहने वाला है। पुलिस ने उसे रविवार को कोतवाली क्षेत्र के भंडारी स्टेशन के पास से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 124/2025 के तहत धारा 137(2)/87 बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 16/17 में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।गिरफ्तारी में प्रभारी अपराध निरीक्षक महमूद आलम अंसारी, चौकी प्रभारी गोविंद मौर्या, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अनीस, महिला कांस्टेबल नेहा दीक्षित और सर्विलांस टीम का सहयोग रहा।

सही समय पर इलाज होने से बच सकती है जिंदगी : डॉ. सुदीश कुमार

पटना। वर्तमान समय में किडनी स्टोन और मूत्र रोग की बीमारी अधिकांश लोगों में नजर आने लगी है। बिहार में औसतन 70 प्रतिशत लोग बीमारी का जांच कराने से बचते हैं। अगर सही समय पर जांच और इलाज हो तो अधिकतर जिंदगियां बच सकती है। उक्त बातें संजीवनी लाइफ केयर हॉस्पिटल के वरिष्ठ यूरोलोजिस्ट डॉ. सुदीश कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि अगर किडनी के रास्ते में रुकावट है, पेशाब उजला या ज्यादा आ रहा हो, पेट में दर्द हो रहा हो, भूख की कमी हो या पेशाब में खून आ रहा हो तो उसे मूत्र एवं किडनी स्टोन के लक्षण हैं। जबकि रात को बार - बार पेशाब लगना, पेशाब रोक पाने में असमर्थ होना, पेशाब में रक्त एवं धत आना, पेशाब की धार में कमी होना आदि प्रोस्टेट के लक्षण हैं। डॉ. सुदीश ने कहा कि अगर इन सब

आज भी आंधी के बीच बारिश होने की संभावना, बारिश का येलो अलर्ट जारी

0- पूर्वांचल में धूल भरी आंधी व बारिश, गर्मी से मिली राहत

0- 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ हो सकती है बौछारें

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्वांचल के कई जिलों में रविवार को दोपहर में तेज आंधी के साथ कई क्षेत्रों में जमकर बारिश हुई। धूल भरी आंधी इतनी तेज थी कई के कच्चे व निर्माणाधीन दीवार ढह गए। खास यह है कि 5 मई को भी आंधी के बीच बारिश होने की संभावना है। बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है, जिसमें 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बौछारें शामिल हैं। धूल भरी आंधी और बिजली गिरने की आशंका के कारण लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में आंधी-तूफान और हल्की बारिश से राहत मिलने की संभावना है, जबकि दक्षिणी और पूर्वी भारत में प्री-मॉनसूनी गतिविधियां तेज होंगी। मध्य भारत में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा, लेकिन कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ छिटपुट बारिश हो सकती है. उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की समीक्षा बैठक सर्किट हाउस सभागार में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता समिति के सभापति अवनीश कुमार सिंह द्वारा की गयी। समिति सदस्य अंगद कुमार सिंह और पद्म सेन चौधरी, अरुण पाठक भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में समिति द्वारा माननीय पार्षद गण, प्रधान समूहों तथा एनडीआरएफ कर्मियों, राहत मित्रों के बीच आपदा प्रबंधन के बचाव हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें समिति के अध्यक्ष द्वारा कहा गया की आपदा के दौरान हमारा प्रथम प्रयास हो की कम से कम लोग इसके चपेट में आयें। बारिश से पहले सभी संबंधित विभाग लोगों के बीच जाकर जागरूकता हेतु कार्यशाला जरूर आयोजित करें। जिला प्रशासन समय-समय पर इसके जागरूकता हेतु पुस्तिकाएं उपलब्ध कराता रहे। आपदा के बाद कैसे तात्कालिक उपाय से चीजों को पुनः स्थापित किया जाये। हमारा प्रयास होना चाहिये की किस प्रकार हम ऐसे इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करें की जिससे लंबे समय तक हम आपदाओं से लोगों को बचा सकें। 24 घंटे के अंदर आपदा पीड़ित को मदद सुनिश्चित हो इसमें अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों के भी उचित सहयोग की अपेक्षा है। आपदा मित्र अपने कार्यों को लेकर तत्पर रहें। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने वज्रपात से होने वाली मृत्यु, दुर्घटना के तरफ भी ध्यान आकर्षित किया जिसमें उन्होंने बताया कि अधिकतर ऐसी दुर्घटना खेतों में होने की संभावना ज्यादे होती है। उन्होंने बताया की ऐसे दरम्यान पेड़ के नीचे न जाएं, मोबाइल का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित करें, बिजलीके पोल के पास न खड़े हों, खुले खेत में बैठें, लेटे नहीं। चार पहिया के अंदर स्थित होने पर आप शीशे बंद करके कोई मेटल को नहीं छुएं। उन्होंने बताया कि घरों के अंदर भी इलेक्ट्रिक वस्तुओं का प्रयोग न करते हुए, दरवाजे खिड़कियों को बंद रखना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन की पानी टंकियों, पंचायत भवनों इत्यादि पर इलेक्ट्रिक अरेस्टर लगाये जा रहे हैं।

पीएम किसान योजना के तहत 31 मई तक आयोजित किए जाएंगे कैंप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देश के क्रम में उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि सभी पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जोड़ने के लिए जनपद की प्रत्येक ग्राम स्तर पर 31 मई तक सेचुरेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में किसान नए आवेदन के साथ ही ई - केवाईसी, भूमि सत्यापन, फार्मर रजिस्ट्री (किसान आईडी) और आधार सीडिंग इत्यादि का काम करा सकेंगे। पीएम किसान सम्मान निधि योजना को शुरू हुए कई साल बीत जाने के बाद भी कई कारणों से अभी तक अनेकों किसानों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है, ऐसे में सभी पात्र किसानों को योजना से जोड़ा जा सके इसके लिए सरकार द्वारा कई प्रयास किया जा रहे हैं, इसी कड़ी में जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र के निर्देश पर पीएम किसान योजना के अंतर्गत जनपद की प्रत्येक ग्राम स्तर पर 5 मई से 31 मई 2025 तक सेचुरेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत योजना के लाभ से वंचित सभी पात्र किसानों को योजना से जोड़ा जाएगा, इन सैचुरेशन कैंपों में प्रत्येक ग्राम से संबंधित विलेज नोडल अधिकारी (श्ठड), लेखपाल, जन सेवा केंद्र (सीएससी) के संचालक पंचायत सहायक एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के समन्वयक उपस्थित रहेंगे। ऐसे किसान जो योजना की पात्रता रखते हैं परंतु योजना अंतर्गत आवेदन नहीं कर पाए हैं उनके नए आवेदन सीएससी केंद्रों पर हो सकेंगे। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री (किसान आईडी) तैयार करवाने के कार्य को अनिवार्य किया गया है,योजना के तहत किसानों को जारी की जाने वाली आगामी किस्तें उन्हें किसानों को मिलेंगे जिनके पास फार्मर आईडी होगी, अभी तक जिन किसानों द्वारा फार्मर आईडी तैयार नहीं करवाई गई है वे कैंप में जाकर अथवा सीएससी पर संपर्क कर अपनी फार्मर रजिस्ट्री (आईडी)अनिवार्य रूप से बनवाएं अन्यथा आगामी किसान सम्मन निधि सहित सरकार की अन्य योजनाओं से वंचित हो सकते हैं।उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने बताया कि सेचुरेशन कैंप में लाभार्थी किसान ई-केवाईसी, भूमि सत्यापन, फार्मर रजिस्ट्री (आईडी) एवं आधार सीडिंग (डीबीटी इनेवल) इत्यादि कामों को करवा सकेंगे, जिससे किसानों को आगामी किसान सम्मान निधि की किस्तों सहित सरकार की अन्य योजनाओं यथा, केसीसी, फसलबीमा, न्यूनतम समर्थन मूल्य, सब्सिडी पर कृषि निवेशों का लाभ मिलेगा।

आजादी के बाद पहली बार मोदी ने जातीय जनगणना का निर्णय लिया है : अनिल गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भाजपा ओबीसी मोर्चा ने जाति जनगणना के निर्णय पर नगर अध्यक्ष कमलेश कुमार निषाद के अध्यक्षता मे सीहीपुर स्थित कार्यालय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया आयोजित सामाजिक सम्मेलन में ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पिछड़ा मोर्चा अमर जौहरी ने की । आयोजित कार्यक्रम मे आये हुये पिछड़े और अति पिछड़े लोगो को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अनिल गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति जनगणना का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इससे भारत के अन्य पिछड़े एवं अति पिछड़े वर्ग के लोगों को अपनी संख्या की पहचान होगी साथ ही संख्या के अनुपात में संवैधानिक अधिकार भी मिलेंगे इस निर्णय से पूरे देश का जनमानस खुश है आखिरी जातीय जनगणना 1931 में अंग्रेजी शासन के दौरान हुई थी। आजादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी ने जातीय जनगणना का निर्णय लिया है। इसलिए यह निर्णय सामाजिक न्याय और सहभागिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह जाति जनगणना को लेकर झूठ फैला रहा है भारत में अधिकांश समय कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन उसने कभी जाति जनगणना का निर्णय नहीं लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जातीय जनणना के फैसले से आज पिछड़े वर्ग के लोगों में जश्न का माहौल है, लोग खुशियां मना रहे हैं, लड्डू बांट रहे हैं तथा ढोल-बैण्ड बाजे बजाकर प्रधानमंत्री के फैसले का स्वागत कर रहे हैं और करें भी क्यों नहीं, क्योंकि जातीय जनगणना होने से सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक अधिकारों को पाने के नये अवसर मिलने वाले हैं। ओबीसी मोर्चा, उ०प्र० जहाँ एक तरफ जातीय जनगणना का फैसला लेने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करेगा वहीं कांग्रेस, सपा एवं गैर भाजपाई दलों जिनकी सोच, मानसिकता एवं एजेण्डा पिछड़ा विरोधी रहा है, उसका पदार्फास भी करेगा। नगर उतरी के अध्यक्ष सारिका सोनी ने कहा कि ओबीसी समाज के लोगों को शिक्षा, अर्थ व्यवस्था एवं राजनीति में भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। मोदी जी ने साबित किया है कि वह जो कहते हैं, करके भी दिखाते हैं। भाजपा की विचारधारा अन्योदय से सर्वोदय तक जाने की है। जो जातीय जनगणना के फैसले से सही प्रतीत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सही मायनों में देश की 140 करोड़ जनता के रहनुमा है, जिन्होंने ₹सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर सबको आगे बढ़ाने का काम किया है। ओबीसी समाज के लिए तो प्रधानमंत्री मोदी देव के समान है, जिन्होंने ओबीसी समाज के दर्द व मर्म को समझा।

रोजगार मेला में 646 अभ्यर्थियों को मिला जॉब, 7689 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया

वाराणसी। 646 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर-- हाथ के काम मिल जाय, इहै संकल्प डबल इंजन सरकार क बा। श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन करावे बदे आप लोगन एक कदम चलबा त हम एक हजार कदम चले के तैयार बानी। योगी मोदी देश के गरीब मजदूर के जीवन के खुशहाल बनावे बदे कवन कवन योजना लिआयल हवै, ई जानें बदे पहली बार हम गांव में एह तरह कार्यक्रम कई ली है।

उक्त बातें उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने विकास खंड के चांदपुर स्थित खंडेश्वरी बाबा इंटर कॉलेज मैदान में शनिवार को श्रम एवं सेवायोजन व समन्वय विभाग की ओर से आयोजित रोजगार मेले में बतौर मुख्य अतिथि के रुप में कही। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षो में साढ़े सात लाख लोगों को रोजगार देने का काम किया। जिसमें 56 सौ श्रमिक जो कम पढ़े लिखे हैं उन्हें इजराइल में काम पर लगाया गया जो पर महीना दो लाख रुपए कमा रहे। आने वाले एक वर्ष में सवा लाख लोगों को जर्मनी, जापान में महिला नर्स, भवन निर्माण, कारीगर इत्यादि कार्यों के लिए विदेश में रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। इस दौरान मंत्री द्वारा कम्पनियों का निरीक्षण भी किया गया। रोजगार मेला में 646 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर दिया गया। कुल 7689 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेला प्रभारी ने बताया कि इसमें रु0 8000/- से 40000/- पर जॉब ऑफर दिया गया। इस मौके पर उप श्रमायुक्त धर्मेन्द्र कुमार सिंह, देव ब्रत यादव, सहायक श्रमायुक्त, सुनील कुमार द्विवेदी आदि लोग उपस्थित थे।

केतकीपाड़ा की ओर अभी रुख नहीं करेगा बुलडोजर: पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के प्रयासों को यश!

बोरीवली, मुंबई। दहिसर (केतकीपाडा), गोरेगांव (फिल्मसिटी) और कांदिवली (दामूनगर) के नागरिकों के लिए अच्छी खबर है कि इन स्थानों के नागरिकों के सिर पर वन विभाग द्वारा तोड़क कार्रवाई करने की लटकती तलवार से उन्हें आंशिक तौर पर ही सही पर राहत अवश्य मिल गई है। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के अनवरत प्रयासों, अनगिनत पत्र व्यवहारों और फिर वन मंत्री गणेश नाईक को वस्तु स्थिति से अवगत कराकर संयुक्त बैठक के लिए राजी कर लेने के चलते अब उपरोक्त स्थानों पर तोड़क कार्रवाई को ₹ब्रेकर₹ लग गया है। जनसेवक गोपाल ने वन मंत्री गणेश नाईक को पत्र भेजकर इसके लिए आभार माना है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में लिखा है कि उपरोक्त विषय के संबंध में हमारे बीच हुई टेलीफोन पर बातचीत और उससे पहले के पत्र व्यवहार के माध्यम से, मैंने आपको श्रेयस्कर रूप से यह दर्शाया था कि उक्त तोड़क कार्रवाई का कार्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय के १९९८ के आदेश के विरुद्ध हो सकता है। आपने इस बात को संवेदनशीलता से सुना और संयुक्त बैठक आयोजित करने का आश्वासन देते हुए तोड़क कार्रवाई की तारीख आठ दिनों के लिए आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। इस निर्णय से हजारों झोपड़ीधारकों को राहत मिली है, और उनकी ओर से और मेरी ओर से मैं आपका हृदय से आभार मानता हूं। जनसेवक शेट्टी ने आगे लिखा है कि आपका राजनीतिक करियर केवल पदों तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि यह हमेशा सामान्य जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की भावना से प्रेरित रहा है। गरीबों, श्रमिकों, झोपड़पट्टी निवासियों के लिए आपके दिल में जो सहानुभूति है और त्वरित कार्रवाई करने की आपकी क्षमता ही, वह आपकी वास्तविक पहचान है। महाराष्ट्र की राजनीति में आप पिछले कई दशकों से एक प्रामाणिक, अनुभवी और जनसामान्य की आवाज बनकर खड़े रहे हैं - यह न केवल उल्लेखनीय है, बल्कि प्रेरणादायक भी है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे लिखा है कि आज केंद्र में माननीय नरेंद्र मोदी जी और राज्य में माननीय देवेंद्र फडणवीस जी के नेतृत्व में, गरीबों के जीवन में सुधार लाने का कार्य द्रुत गति से जारी है। लेकिन दुर्भाग्य से, कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा न्यायालय के माध्यम से गलत जानकारी देकर गरीबों को परेशान करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे समय में आपकी तरह के अनुभवी, सजग और सामाजिक भावना से भरपूर मंत्री की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आपने यह भूमिका अत्यंत प्रामाणिकता, संवेदनशीलता और तात्कालिकता से निभाई है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने अंत में लिखा है कि उपरोक्त संदर्भ में, मैं स्वयं मुंबई उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर कर रहा हूं और आशा है कि न्यायालय से उचित निर्णय मिलेगा।

जातिवार जनगणना के निर्णय पर भाजपा मंडल ने मनाया जश्न

वसई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जातिवार जनगणना कराने के ऐतिहासिक निर्णय का देशभर में व्यापक स्वागत किया जा रहा है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर की अध्यक्षता में वसई पश्चिम के अंबाडी रोड पर उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में पटाखे फोड़े गए, झंडे फहराए गए, पेड़ वितरित किए गए, और ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया। कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, वरिष्ठ नेता शेखर धुरी, अपर्णा पाटिल सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा, ₹यह निर्णय सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी विकास की ओर बढ़ रहा है।₹ जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल और वरिष्ठ नेता शेखर धुरी ने भी सभा को मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टी आज इस निर्णय का श्रेय लेना चाहती है, वही पार्टी दशकों तक सत्ता में रहते हुए भी ऐसा कोई कदम नहीं उठा सकी। अब जब प्रधानमंत्री मोदी ने यह साहसिक निर्णय लिया है, तो देश की जनता इसे पूरी तरह से समर्थन दे रही है। इस आयोजन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें दीपक शर्मा, कल्पेश पांडे, अर्जुन इंगोले, शीला अय्यर, जीतेंद्र वेंगुर्लेकर, स्मिता वेंगुर्लेकर, विजय शाह, बबीता शर्मा, नितेश भालेराव सहित अनेक

टीकेएम ने इनोवा हाईक्रॉस का एक्सक्लूसिव एडिशन पेश किया

पटना : टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने इनोवा हाइक्रॉस के एक्सक्लूसिव एडिशन जेड एक्स (ओ) ग्रेड में उपलब्ध होने और लॉन्च किये जाने की घोषणा की। एक्सक्लूसिव एडिशन ताजगी भरे स्टाइल और डुअल टोन एक्सेंट के साथ डिजाइन किया गया है ताकि वाहन की गतिशील उपस्थिति बेहतर की जा सके। देश भर में एक लाख से ज्यादा ग्राहकों में भरोसेमंद, इनोवा हाईक्रॉस ग्लैमर की अपनी असाधारण भावना और कार्यकुशलता के साथ लगातार प्रभावित कर रही है। हर यात्रा को स्टीयरिंग व्हील के पीछे बैठे व्यक्ति की तरह विशिष्ट बनाने के लिए तैयार, इनोवा हाईक्रॉस एक्सक्लूसिव एडिशन जेड एक्स(ओ) मई 2025 से जुलाई 2025 तक दो रंगों- सुपर व्हाइट और पर्ल व्हाइट में सीमित मात्रा में उपलब्ध होगा। इस लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने कहा, ₹इनोवा हाईक्रॉस ने अपने आकार और एसयूवी के संतुलन के साथ एमपीवी की विशालता के लिए लगातार ग्राहकों की मजबूत सराहना हासिल की है। यह विशेष वैरिएंट विशिष्टता और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए टोयोटा की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इनोवा हाईक्रॉस जेड एक्स(ओ) एक्सक्लूसिव एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 32,58,000 रुपए है। सभी टोयोटा डीलरशिप पर बुकिंग शुरू हो गई है।

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं

8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

अशरा चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बने रमजान अली चौधरी

मुंबई । सायन वेस्ट, मुंबई में अशरा चैरिटेबल ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीतल वालीकर द्वारा एक नियुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रमजान अली चौधरी को ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। इस कार्यक्रम में महामंत्री संदीप उधारकर, भारतीय जनता पार्टी के रमाकांत गुप्ता और जयप्रकाश दुबे, तथा ट्रस्ट के अध्यक्ष इर्शाद शेख प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने रमजान अली चौधरी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष शीतल वालीकर ने अपने संबोधन में कहा कि यह नियुक्ति ट्रस्ट को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी।

बीजेजेडी पार्टी ने बिहार के सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने का एलान किया

पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेजेडी पार्टी ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने का एलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौरसिया एम. कुमार ने रविवार को होटल कृति सभागार, जमाल रोड़, पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। बीजेजेडी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौरसिया एम. कुमार ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी बिहार विधानसभा- 2025 के सभी 243 सीटों पर अपना मजबूत उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 2025 के चुनावों के लिए अपनी तैयारियां भी तेज कर दी हैं। हमारी पार्टी कपूर्री ठाकुर, बाबा साहेब अम्बेडकर, बाबू शिव दयाल चौरसिया एवं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के सपनों का भारत का निर्माण करना चाहती हैं। जहाँ बिहार एवं देश के सभी नागरिकों को आर्थिक, सामाजिक एवं राजनितिक न्याय मिले।